RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 03 | ISSUE 190 | SUNDAY DATE 02-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

गुस्ताखी माफ

जनता को जब है पता, जारी है हड़ताल।
कूड़ा फिर भी देखिए, रही निरंतर डाल।
रही निरंतर डाल, शौक यह कैसा लागा।
नहीं एक भी दिवस, किया है इसने नागा।
कह साहिल कविराय, दोष इसका भी बनता।
चाहे कुछ भी कहो, समझती है कब जनता।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

संक्षिप्त खबरें

मनोहर लाल ने भलस्वा डंपसाइट का किया निरीक्षण

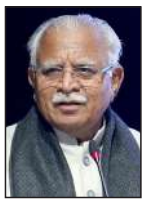

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त । केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को दिल्ली के भलस्वा डंपसाइट का निरीक्षण कर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की ओर से चलाये जा रहे विरासत (लीगेसी) कचरा निस्तारण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। श्री मनोहर लाल ने अधिकारियों को लैंडफिल स्थल पर प्रतिदिन पहुंचने वाले ताजा कचरे के वैज्ञानिक प्रसंस्करण के लिए हाल ही में प्रदत्त कार्य को तेजी से पूरा किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ताजा कचरे के शीघ्र प्रसंस्करण से विरासत कचरे के निस्तारण की गति और तेज होगी तथा भविष्य में डंपसाइट पर कचरे का नया ढेर बनने से भी रोका जा सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार दिल्ली के भलस्वा डंपसाइट सहित देशभर में विरासत कचरे के समयबद्ध निस्तारण और वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी बनाये रखने और निर्धारित समयसीमा के भीतर भलस्वा डंपसाइट के व्यापक पुनर्वास कार्य को पूरा करने के निर्देश दिये।

बिहार में 42 हजार सफाईकर्मी हड़ताल पर, गली-मोहल्लों में फैला कचरा

पटना, यूटर्न/ 01 अगस्त । बिहार में नगर निकायों में काम करने वाले सफाईकर्मियों और ड्राइवर्स की हड़ताल शनिवार को जारी रही। इस हड़ताल में करीब 42 हजार सफाई कर्मचारी और ड्राईवर्स शामिल हैं। हड़ताल की वजह से गली-मोहल्लों में कचरों का ढेर लगा गया है। बदबू से लोगों का हाल बेहाल है। कचरा फैलने से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पटना नगर निगम में पांच हजार कर्मचारी हड़ताल में शामिल हैं। शहर का कचरा उठाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई है, लेकिन हड़ताल में शामिल कर्मचारी उन कर्मचारियों को कचरा उठाने से रोक रहे हैं। निगम आयुक्त ने काम में बाधा डालने वालों पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

एयर मार्शल तेजपाल सिंह बने भारतीय वायुसेना के नए डिप्टी चीफ ऑफ एयर स्टाफ

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त । भारतीय वायुसेना में वरिष्ठ अधिकारी एयर मार्शल तेजपाल सिंह एवीएसएम, वीएम ने शनिवार को डिप्टी चीफ ऑफ एयर स्टाफ (डीसीएएस) का पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचकर देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। एयर मार्शल तेजपाल सिंह को 16 जून 1990 को भारतीय वायुसेना में फाइटर पायलट के रूप में कमीशन मिला था। अपने 36 वर्ष से अधिक लंबे सैन्य करियर में उन्होंने 3,500 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव हासिल किया है। वह कैटेगरी-ए क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट भी हैं।

डीडीए का 'जनसेवा मॉडल' हिट, 6 महीने में 85 प्रतिशत घटा शिकायतों का बोझ

तरनजीत सिंह संधू के निर्देश पर शिकायत निवारण प्रणाली हुई मजबूत

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त ।**

उपराज्यपाल सरदार तरनजीत सिंह संधू द्वारा नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और जवाबदेह शासन व्यवस्था पर दिए गए विशेष जोर का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने इस वर्ष जनवरी से जून तक छह महीने की अवधि में लंबित जन शिकायतों में 85 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की है।वर्ष की शुरूआत में डीडीए के पास कुल 22,946 लंबित शिकायतें थीं, जो निरंतर निगरानी, प्रभावी समन्वय और समयबद्ध कार्रवाई के चलते जून 2026 के अंत तक घटकर 3,167 रह गईं। छह महीने की अवधि में लंबित जन शिकायतों में 85 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की है। छह महीने की इस अवधि में डीडीए ने विभिन्न माध्यमों से प्राप्त कुल 19,779 शिकायतों का समाधान किया। इनमें सीपीग्राम्स , एलजी लिसनिंग पोस्ट, सीएम जन सुनवाई/पीजीएमएस, डीआरएमएस (डीडीए), मोबाइल 311 और समस्या निदान सेवा जैसे प्लेटफॉर्म से प्राप्त शिकायतें शामिल हैं। उपराज्यपाल के निदेशों से मजबूत हुई शिकायत निवारण व्यवस्था पदभार संभालने के बाद माननीय उपराज्यपाल ने सभी विभागों को अधिक संवेदनशील, कुशल और नागरिकों की समस्याओं के प्रति उत्तरदायी बनने के निर्देश दिए थे।

पीएम मोदी ने अल्लूरी सीताराम राजू एयरपोर्ट का उद्घाटन किया

निवेश से रोजगार, यही हमारी नीति: मोदी

» **आंध्र प्रदेश, यूटर्न/ 01 अगस्त ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अल्लूरी सीताराम राजू एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भोगापुरम में विकास परियोजाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का दिन आंध्र प्रदेश के विकास के लिए स्वर्ण आंध्र के विजन के लिए बहुत अहम है।मुझे आज बहुत शुभ अवसर पर एक शुभ महीने में उत्तर आंध्र की पवित्र भूमि पर आने का सौभाग्य मिला है। मैं सबसे पहले भगवान श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के चरणों में प्रणाम करता हूं। मैं श्री कूर्मनाथ स्वामी और मां पोंडितल्ली को नमन करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां करीब 18 हजार करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ, लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। हवाई अड्डे के साथ-साथ ये परियोजनाएं आंध्र की रोड कनेक्टिविटी से जुड़े हैं। इनमें इनर्जी सिक्योरिटी से जुड़े प्रोजेक्ट भी हैं। ये विकास कार्य इस बात के प्रतीक हैं कि इस समय आंध्र किस स्पीड से आगे बढ़ रहा है। मैं आप सभी को इन परियोजनाओं की शुभकामनाएं देता हूं।'

पीएम ने कहा कि आज का आयोजन नया इतिहास और नए रिकॉर्ड रचने का भी है। एक ओर विकास के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, साथ ही धीमसा नृत्य का सांस्कृतिक रिकॉर्ड भी रचा गया है। चंद्रबाबू की विशेषता है कि उन्होंने दो क्षितिजों को छुआ है। एक तरफ एयरपोर्ट का निर्माण और दूसरी तरफ आदिवासी बहनों के द्वारा धीमसा नृत्य का विश्व रिकॉर्ड बनाना। चंद्रबाबू के इस विजन को विशेष रूप से सराहना करता हूं।' प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि 13 हजार से ज्यादा आदिवासी बहनों और बेटियों की प्रस्तुति, उनका उत्साह, उनका अनुशासन और आदिवासी संस्कृति का गौरव, यह दृश्य अद्भुत था।

ह्यनशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियानह्न की शुरूआत करेंगे कल मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को वीडियो कांफ्रेन्स के जरिए ह्यनशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियानह्न की शुरूआत करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि इस पहल का मकसद युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समुदायों में सकारात्मक सामाजिक बदलाव का दूत बनने के लिए प्रोत्साहित करना है।इस कार्यक्रम के साथ नशीले पदार्थों के सेवन के खिलाफ 100 सप्ताह तक चलने वाले देशव्यापी ह्यजन भागीदारीह्न अभियान की शुरूआत होगी। इस अभियान के तहत, नशा-मुक्त समाज बनाने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए हर रविवार को देश भर में गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

लद्दाख में खेल नीति 2026 पेश, खिलाड़ियों के लिए 1 करोड़ रुपये के इंसेंटिव की घोषणा

लेह, यूटर्न/ 01 अगस्त । लद्दाख के लेफ्टिनेंट गवर्नर वी. के. सक्सेना ने शनिवार को लद्दाख खेल नीति 2026 को मंजूरी दी। खेल नीति के तहत एथलीटों को मासिक स्कॉलरशिप, एक बार के नकद पुरस्कार और लगातार वित्तीय मदद देने का वादा किया गया है। खेल नीति 2026 की घोषणा को इस केंद्र शासित प्रदेश को एक खेल ताकत के रूप में बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। वी.के. सक्सेना ने इस पहल को खेल विकास के क्षेत्र में बेहद अहम बताया।

शाह ने अजीत डोभाल को लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से किया सम्मानित

पुणे, यूटर्न/ 01 अगस्त । महाराष्ट्र के पुणे में शनिवार को आयोजित समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अजीत डोभाल को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद उपस्थित अतिथियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की।

भगवा, संतों और भगवान राम का अपमान करना बेहद आपत्तिजनक और घोर अपराध : बाबा रामदेव

» **नोएडा, यूटर्न/ 01 अगस्त ।**

योग गुरु बाबा रामदेव ने शनिवार को कहा कि भगवा, संतों, भगवान राम या सनातन विरासत के किसी भी पहलू का अपमान करना बेहद आपत्तिजनक है और यह एक गंभीर अपराध है। यह बयान शुक्रवार को संसद में निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के एक अनोखे विरोध प्रदर्शन के जवाब में आया। यादव भगवा कपड़े पहनकर आए थे और उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान की कथित चोरी का नाटक किया। यादव के साथ विपक्ष के कई सांसद भी शामिल हुए और उन्होंने संसद में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की। इस सांकेतिक विरोध के तहत, विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कई सांसदों को दान पेटी में पैसे डालते देखा गया, जबकि यादव ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान के कथित गबन को दिखाने के लिए सांकेतिक रूप से पैसे अपनी जेब में डाल लिए। यह प्रदर्शन एक नुक्कड़ नाटक की तरह किया गया। विपक्ष के सांसदों ने श्रद्धालुओं की भूमिका निभाई और दान पेटी में दान डालने के लिए आगे आए। नाटक के दौरान, पुजारी की भूमिका निभा रहे पप्पू यादव ने दान पेटी में पैसे डालने के बजाय कथित तौर पर पैसे अपनी जेब में रख लिए। इसके बाद, श्रद्धालु की भूमिका निभा रहे सपा के एक सांसद ने इस सांकेतिक गैर-कानूनी हरकत पर उनसे सवाल किया।

छात्रों को माफी नहीं, मोदी से माफीनामा चाहिए : राहुल

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त ।**

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश के छात्रों को प्रधानमंत्री की माफी नहीं, बल्कि उनसे माफीनामा चाहिए क्योंकि पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने से उनका भविष्य बर्बाद हुआ है। श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शनिवार को लिखा कि किसी भी माता-पिता के लिए अपने बच्चे को खोने का दुख सबसे बड़ा होता है। हर युवा की मौत के पीछे एक ऐसा परिवार है जिसका दर्द कभी खत्म नहीं होगा और इसके साथ ही देश की जर्जर शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल भी खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक, परीक्षाएं रद्द होने और वर्षों की मेहनत एक झटके में बर्बाद होने के बावजूद छात्रों से ईमानदारी की उम्मीद की जाती है, जबकि व्यवस्था स्वयं ईमानदार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छात्रों को 'माफ करने' की बात कर रहे हैं, जबकि उन्होंने न तो किसी शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और न ही किसी ऐसे छात्र से मिले जिसका भविष्य पेपर लीक के कारण प्रभावित हुआ। श्री गांधी ने कहा कि भारत के छात्रों को प्रधानमंत्री की माफी की जरूरत नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री को उनसे माफी मांगनी चाहिए।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

कुलगाम हमले की कांग्रेस ने की निंदा, राहुल गांधी बोले- 'आतंकियों पर हो सख्त कार्रवाई

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकी हमले के दौरान दो मजदूरों की मौत पर कांग्रेस नेताओं ने शोक व्यक्त किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि आतंकियों के ऊपर इस कायराना हमले के लिए सख्त कार्रवाई हो और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ह्लजम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुआ कायराना आतंकी हमला अत्यंत निंदनीय और मानवता को शर्मसार करने वाला है। दो निर्दोष मजदूरों की पहचान पूछकर उनकी निर्मम हत्या करना आतंक की क्रूर मानसिकता का घिनौना उदाहरण है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है। शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। दोषियों के विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए उन्हें कानून के अनुसार सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए।'

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ह्लजम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुए दुस्साहसी आतंकी हमले में देश के दो श्रमिकों की हत्या अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिवारों को अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। आतंकियों के ऊपर इस कायराना हमले के लिए सख्त कार्रवाई हो और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिले। आतंकवाद के खिलाफ देश हमेशा एकजुट है।' कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने पोस्ट में लिखा, ह्लकुलगाम में हुआ कायराना आतंकी हमला अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय है। ईंट-भट्ठे पर काम करने वाले दो मजदूरों की पहचान पूछकर हत्या करना बेहद घृणित और मानवता विरोधी कृत्य है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, कम है। पूरे देश की संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आतंकियों को सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए।'

संक्षिप्त खबरें

कार-बस की टक्कर से दो युवक घायल

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 01 अगस्त । कार और बस की टक्कर से साहिबाबाद और इंदिरापुरम इलाकों में दो युवक घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों युवकों के परिजनों को पुलिस ने शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच की जा रही है। कार की टक्कर युवक घायल विवेक प्रताप सिंह निवासी राजनगर एक्सटेंशन 14 मई की रात बाइक से घर जा रहे थे। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बाइक लेकर हिंडन एलिवेटेड रोड पर पहुंचे, तो आगे चल रही कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे वह अनियंत्रित होकर कार से टकरा गए। हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। इससे पहले चालक ने उनके उपचार का खर्चा देने को कहा। वह अस्पताल पहुंचे तो चिकित्सकों ने जांच के बाद बाएं पैर में फ्रेक्चर बताया। इसके बाद ऑपरेशन और उपचार के लिए दो माह तक अस्पताल में रहना पड़ा। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्या ने बताया कि शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच की जा रही है। वहीं, गुड्डू निवासी कनावनी गांव ने बताया कि उनके भाई मोमीन 29 जुलाई सुबह साढ़े सात बजे मोहन नगर चौराहे के पास सड़क किनारे खड़े.होकर ऑटो का इंतजार कर रहे थे। तेज रफ्तार बस ने उन्हें टक्कर मार दी और वह घायल हो गए।

कंपनी से अकाउंटेंट और विभाग हेड पर 50 लाख के गबन का आरोप

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 01 अगस्त । वसुंधरा सेक्टर-एक निवासी ने ट्रैवल कंपनी के कर्मचारियों पर सांठगांठ कर 50 लाख रुपये से ज्यादा का गबन करने का आरोप लगाया है। उन्होंने तीन कर्मचारियों पर आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ज्ञान रचना टूर एंड ट्रैवल कारोबारी गौरव जैन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी कंपनी देश-विदेश में टूर पैकेज उपलब्ध करवाती है। उन्हें कुछ दिन पहले कंपनी में कुछ गबन की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने जांच करनी शुरू की तो तीन महीनों में कंपनी से 50 लाख रुपये से ज्यादा गबन किया गया है। जांच में सामने कंपनी के ही मुख्य अकाउंटेंट, विभाग हेड और सेल्स कर्मचारी ने मिलकर यह गबन किया है। सेल्स कर्मचारी ग्राहकों का टूर पैकेज बुक करता था।

मोबाइल पर वीडियो देखती रही मां, छह महीने के मासूम की चली गई जान

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त

मोबाइल पर रील देखने में मशगूल एक महिला ने अपने छह महीने के मासूम को तड़प-तड़प कर मरने पर मजबूर कर दिया। मामला अमेरिका के फ्लोरिडा का है। इस दिल दहला देने वाली घटना के सामने आने के बाद बच्चे की मां को गिरफ्तार कर लिया गया।

आरोप है कि बच्चे की हालत गंभीर होने पर भी अस्पताल ले जाने या इमरजेंसी सेवा उपलब्ध कराने में देरी हुई। वो घंटों मोबाइल पर टिक-टॉक वीडियो देखती रही, अश्लील वेबसाइटें खोलीं और इंटरनेट पर बच्चे के लक्षणों के बारे में जानकारी खोजती रही। मामला 29 जून का है। पुलिस के हवाले से बताया कि, 26 वर्षीय महिला तातियाना नॉर्मन ने पूछताछ के दौरान पहले कई अलग-अलग कहानियां सुनाईं। उसने कभी कहा कि बच्चा बिस्तर से गिर गया था, तो कभी हादसे की दूसरी वजह बताई। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में मिले सबूत उसकी बातों से मेल नहीं खाए।

जांच के दौरान महिला ने स्वीकार किया कि वो दो बच्चों को पालते हुए काफी थक चुकी थी और गुस्से में उसने बच्चे को प्लेपेन में जोर से फेंक दिया था, जिससे उसके सिर और शरीर पर गंभीर चोट आई। इससे एक दिन पहले टीवी का रिमोट ढूंढते हुए कथित तौर पर उसके हाथ से बच्चा छिटक कर गिर गया था। अधिकारियों का कहना है कि बच्चे की हालत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन उसे समय पर इलाज नहीं मिल सका। उनका मानना है कि अगर तुरंत चिकित्सा सहायता मिलती, तो स्थिति अलग हो सकती थी।

पूछताछ में महिला ने यह भी दावा किया कि वह अवसाद और मानसिक तनाव से जूझ रही थी। हालांकि पुलिस का कहना है कि इन दावों की जांच की जा रही है और मामले में कानूनी प्रक्रिया जारी है। फिलहाल महिला पर 'अत्यधिक बाल उत्पीड़न' का मामला दर्ज किया गया है। जांच एजेंसियों का कहना है कि पोस्टमार्टम और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे और भी गंभीर धाराएं जोड़ी जा सकती हैं। इस अपराध के लिए महिला को 30 साल की सजा भी हो सकती है।

रक्त बनाने की कोई मशीन नहीं, जरूरत पड़ने पर इंसान ही इंसान के काम आता है : प्रवीण पोपली

अंशुल के मित्र आज भी उनकी याद को सेवा कार्यों के माध्यम से जीवंत रखे हुए हैं : गौतम सरदाना

» हरियाणा, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

स्वर्गीय अंशुल सरदाना की नौवीं पुण्यतिथि पर उनकी स्मृति में नौवें विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं और अंशुल के मित्रों ने बढ़-चढ़कर रक्तदान कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। समाजसेवा और मानवता के इस अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर रक्तदान के महत्व का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे हिसार के महापौर प्रवीण पोपली ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि किसी दिवंगत की स्मृति में रक्तदान शिविर आयोजित करना सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि रक्त का निर्माण किसी फैक्ट्री या मशीन में नहीं किया जा सकता। जरूरत पड़ने पर केवल एक व्यक्ति का रक्त ही दूसरे व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने अंशुल सरदाना के परिवार की सराहना करते हुए कहा कि परिवार लगातार सामाजिक कार्यों और रक्तदान जैसे जनकल्याणकारी अभियानों में प्रेरणादायी भूमिका निभा रहा है।

पूर्व महापौर एवं अंशुल सरदाना के पारिवारिक सदस्य गौतम सरदाना ने कहा कि अंशुल के मित्र जिस समर्पण और अपनत्व के साथ हर वर्ष उनकी पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित करते हैं, वह सच्ची मित्रता और समाजसेवा का अनूठा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष बड़ी संख्या में रक्तदाता इस अभियान से जुड़ते हैं, जिससे अनेक जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलता है।

स्वर्गीय अंशुल सरदाना के पिता देशराज सरदाना ने भावुक होते हुए कहा कि उनके पुत्र को उसके मित्र जिस प्रकार सेवा कार्यों के माध्यम से आज भी याद करते हैं, वह पूरे परिवार के लिए गर्व और भावुकता का विषय है। उन्होंने कहा कि अंशुल हमेशा समाज और जरूरतमंदों की सहायता के लिए तत्पर रहता था और आज उसके मित्र उसी सेवा भावना को आगे बढ़ा रहे हैं। शिविर के दौरान रक्तदाताओं को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया तथा अधिक से अधिक लोगों से नियमित रक्तदान करने का आ'ान किया गया।

नोएडा इंडोर स्टेडियम विवाद गहराया, अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर विजेंद्र सिंह ने उठाई सख्त कार्रवाई की मांग

» नोएडा, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

नोएडा के सेक्टर-21ए स्थित नोएडा इंडोर स्टेडियम के संचालन को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। अब इस पूरे मामले में देश के लिए कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुके मशहूर बॉक्सर विजेंद्र सिंह ने भी संज्ञान लेते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया दी है।

विजेंद्र सिंह ने नोएडा पुलिस और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि स्टेडियम के संचालन का टेंडर हासिल करने वाली सिक्योरिटी सॉल्यूशंस कंपनी पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर प्राप्त करने के गंभीर आरोप लगे हैं। आरोप है कि कंपनी ने टेंडर प्रक्रिया के दौरान ऐसे दस्तावेज प्रस्तुत किए, जिनकी जांच में कई प्रकार की अनियमितताएं सामने आई हैं।

इतना ही नहीं, कंपनी पर देश का नाम रोशन करने वाले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों, विशेष रूप से बॉक्सर विजेंद्र सिंह सहित कई खिलाड़ियों के नाम और उपलब्धियों का गलत तरीके से उपयोग कर लाभ लेने के आरोप भी लगाए गए हैं। मामला सामने आने के बाद अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर विजेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की प्रतिष्ठा और उपलब्धियों का किसी भी निजी लाभ के लिए गलत इस्तेमाल बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने संबंधित एजेंसियों से पूरे मामले की गहन जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। यह पूरा मामला नोएडा के सेक्टर-24 थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्थित सेक्टर-21ए के नोएडा इंडोर स्टेडियम से जुड़ा है। स्टेडियम के संचालन और टेंडर प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों ने खेल जगत और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

तंबाकू छोड़ें, जीवन जोड़ें : फेफड़ों की सुरक्षा ही स्वस्थ भविष्य की कुंजी : डॉ. अशोक कुमार वर्मा

» हरियाणा, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

प्रत्येक वर्ष 1 अगस्त को विश्व फेफड़ा कैंसर दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को फेफड़ों के कैंसर के प्रति जागरूक करना, इसके कारणों, लक्षणों, बचाव तथा समय पर जांच और उपचार के महत्व को समझाना है। आज के आधुनिक युग में विज्ञान और चिकित्सा ने उल्लेखनीय प्रगति की है, फिर भी फेफड़ों का कैंसर विश्व भर में कैंसर से होने वाली मृत्यु का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। यह बीमारी केवल व्यक्ति के शरीर को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और देश की आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था को भी प्रभावित करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्रड) और अंतरराष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसियों के अनुसार, हर वर्ष विश्व में लगभग 25 लाख (2.5 मिलियन) नए फेफड़ों के कैंसर के मामले सामने आते हैं तथा लगभग 18 लाख (1.8 मिलियन) लोगों की मृत्यु इस बीमारी से हो जाती है। भारत में भी प्रतिवर्ष हजारों नए मरीज सामने आते हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होती है। चिंता की बात यह है कि अधिकांश रोगियों में बीमारी का पता तब चलता है, जब कैंसर काफी बढ़ चुका होता है। फेफड़ों के कैंसर का सबसे बड़ा कारण तंबाकू का सेवन है। बीड़ी, सिगरेट, हुक्का, ई-सिगरेट तथा अन्य तंबाकू उत्पाद फेफड़ों को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। इसके अतिरिक्त परोक्ष धूम्रपान (ढं२२५ेरङ्क्ल्ले), वायु प्रदूषण, औद्योगिक रसायनों के संपर्क तथा कुछ आनुवंशिक कारण भी इस रोग के जोखिम को बढ़ाते हैं। यदि व्यक्ति समय रहते तंबाकू छोड़ दे, तो फेफड़ों के कैंसर का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है।

लगातार खांसी रहना, खांसी में खून आना, सांस फूलना, सीने में दर्द, आवाज बैठ जाना, बिना कारण वजन घटना और अत्यधिक थकान जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। प्रारंभिक अवस्था में जांच और उपचार से अनेक मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा चलाया जा रहा नशामुक्त हरियाणा अभियान केवल नशे के विरुद्ध एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को स्वस्थ और सुरक्षित बनाने का जनआंदोलन है। इस अभियान के अंतर्गत विद्यालयों, महाविद्यालयों, औद्योगिक संस्थानों, ग्राम पंचायतों, चालक प्रशिक्षण संस्थानों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

1 अगस्त को होगा हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य का, प्रस्तावित दौरा : डीसी

पानीपत रिफाइनरी के ठेका सफाई कर्मचारीयों के साथ संवाद व समीक्षा बैठक होगी, आयोजित

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 01 अगस्त । हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य एवं अधिवक्ता संजीव घरू के 1 अगस्त को प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हैं।

उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि दौरे के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं, ताकि सफाई कर्मियों से जुड़े मामलों की प्रभावी समीक्षा हो सके। उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि आयोग सदस्य अपने दौरे के दौरान शहर के विभिन्न संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण करेंगे, जहां सफाई कर्मचारी प्रत्यक्ष, ठेकेदार, आउटसोर्सिंग एजेंसी, हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) अथवा अन्य माध्यमों से कार्यरत हैं। निरीक्षण का उद्देश्य सफाई कर्मियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, सेवा शर्तों, कार्य परिस्थितियों तथा वैधानिक सुरक्षा उपायों का वास्तविक आकलन करना है। उन्होंने बताया कि सुबह औचक निरीक्षण के बाद इंडियन ऑयल पानीपत रिफाइनरी परिसर में सफाई कर्मियों के साथ समीक्षा बैठक एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस दौरान सफाई कर्मियों की समस्याएं और शिकायतें सीधे सुनी जाएंगी तथा उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

स्वच्छता की मिसाल बने एसडीएम राजेश खोथ, खुद कूड़ा उठाकर जगाई जनभागीदारी की अलख

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 01 अगस्त । स्वच्छता केवल सरकारी योजनाओं से नहीं बल्कि जनभागीदारी और प्रेरणादायी नेतृत्व से साकार होती है। इसका सजीव उदाहरण शनिवार को उपमंडल के ढंढेरी गांव में देखने को मिला, जहां एसडीएम राजेश खोथ ने स्वयं सफाई अभियान में उतरकर अपने हाथों से कूड़ा-कचरा उठाया और ग्रामीणों के साथ श्रमदान किया। उनके इस प्रेरणादायी प्रयास ने पूरे गांव को स्वच्छता अभियान का सहभागी बना दिया। लंबे समय से स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय एसडीएम राजेश खोथ के नेतृत्व में उपमंडल क्षेत्र में लगातार ऐसे अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य स्वच्छ, सुंदर और हरित समाज का निर्माण करना है। एसडीएम राजेश खोथ के नेतृत्व में संचालित 'म्हारी हरी-भरी हांसी' अभियान पहले ही क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण की नई पहचान बन चुका है। इस अभियान के तहत पिछले वर्ष लगभग 5000 पौधे लगाए गए थे, जिनकी नियमित देखभाल भी सुनिश्चित की गई। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए अब गांव-गांव विशेष सफाई अभियान चलाकर स्वच्छ वातावरण तैयार करने का कार्य किया जा रहा है। इस वर्ष एस डी महिला महाविद्यालय महिला महाविद्यालय प्रांगण में अभियान के अंतर्गत पौधारोपण किया जा चुका है।

शनिवार को ढंढेरी गांव में आयोजित विशेष सफाई अभियान में पांच ग्राम सचिव, गांव के सरपंच, पंचायत प्रतिनिधि, सफाई कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। अभियान के दौरान गांव की गलियों, सार्वजनिक स्थलों, सरकारी भवनों, चौपालों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की व्यापक सफाई की गई। बड़ी मात्रा में कूड़ा-कचरा एकत्रित कर वाहनों के माध्यम से बाहर निर्धारित स्थान पर भिजवाया गया। अभियान के बाद गांव का वातावरण पूरी तरह स्वच्छ और खुशनुमा दिखाई दिया।

अभियान का सबसे प्रेरणादायक दृश्य तब देखने को मिला जब एसडीएम राजेश खोथ स्वयं हाथों में सफाई उपकरण लेकर कूड़ा उठाने लगे। उन्होंने श्रमदान करते हुए कूड़ा वाहनों में भरवाया और उपस्थित लोगों को संदेश दिया कि स्वच्छता किसी एक विभाग का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उनके इस व्यवहार से प्रेरित होकर अनेक ग्रामीण भी सफाई कार्य में जुट गए और पूरे अभियान ने जन आंदोलन का रूप ले लिया।

इस अवसर पर एसडीएम राजेश खोथ ने कहा कि स्वच्छ गांव और स्वच्छ शहर स्वस्थ समाज की सबसे बड़ी पहचान हैं। यदि प्रत्येक नागरिक अपने घर, गली और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प ले ले तो किसी भी क्षेत्र को आदर्श बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान से जुड़ेगा देश : राजयोगिनी बीके सरोज बहन

3 से 20 अगस्त तक 70झ80 विद्यालयों सहित विभिन्न संस्थानों में होंगे जागरूकता एवं सामूहिक प्रतिज्ञा कार्यक्रम

» प्रमोद कौशिक

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 01 अगस्त । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के विश्व शांति धाम सेवा केंद्र, कुरुक्षेत्र की संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सरोज बहन जी ने बताया कि 2 अगस्त 2026 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'नशा मुक्त युवाझविकसित भारत' राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इसी अवसर पर देशव्यापी '10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियानझ2026' का भी शुभारंभ होगा, जिसका उद्देश्य देशभर के युवाओं एवं नागरिकों को नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए संकल्पित करना है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रमों के संचालन हेतु ब्रह्माकुमारीज के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया है। वहीं गृह मंत्रालय के अंतर्गत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के मिशन स्पंदन के सहयोग से आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित इस राष्ट्रव्यापी अभियान का संचालन किया जा रहा है।

राजयोगिनी बीके सरोज बहन ने बताया कि 3 से 20 अगस्त 2026 तक दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, जयपुर, चंडीगढ़, लखनऊ, भोपाल, पटना, देहरादून, शिमला सहित देश के सभी राज्यों एवं प्रमुख शहरों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, सरकारी एवं निजी संस्थानों तथा सामाजिक संगठनों में नशा मुक्ति जागरूकता एवं सामूहिक प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र जिले में भी लगभग 70 - 80 विद्यालयों के साथ- साथ विभिन्न महाविद्यालयों, सरकारी एवं निजी संस्थानों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम एवं नशा मुक्ति प्रतिज्ञा करवाई जाएगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों, युवाओं एवं समाज को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

तिरंगा यात्रा का आयोजन 10 अगस्त को थानेसर में, जगह जगह तिरंगा यात्रा का होगा भव्य स्वागतः सुभाष सुधा

नायब सिंह सैनी करेंगे मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 01 अगस्त । हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने बताया कि आगामी 9 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत कुरुक्षेत्र में आगामी 10 अगस्त को सांय 4 बजे तिरंगा यात्रा का आयोजन पिपली अनाजमंडी में किया जाएगा, इस यात्रा में 10 अगस्त को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को स्थानीय सेक्टर 7 स्थित अपने आवास पर तिरंगा यात्रा को लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की एक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा शहीदों को समर्पित है, जिन्होंने देश के लिए कुर्बानियां दी है। इस तिरंगा यात्रा का आयोजन पिपली अनाजमंडी में होगा, यह यात्रा पिपली अनाजमंडी से शुरू होकर थानेसर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरेगी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा में धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक तथा भारी संख्या में युवा व गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। इस यात्रा के लिए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की डयूटियां लगा दी गई है।

उन्होंने बताया कि 9 से 17 अगस्त 2026 तक हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया जा रहा है, इस अभियान के साथ वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रमों का आयोजन किया भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा को लेकर स्थानीय निवासियों में भारी उत्साह है। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठद्द पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सफाई कर्मचारी का शोषण, अधिकारों का हनन, नियमों की अनदेखी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं : संजीव धरूं, सफाई आयोग सदस्य

सफाई कर्मचारियों के अधिकारों पर सख्त हुआ आयोग, ईएसआई-पीएफ, इंशोरेंस, वेतन और सुरक्षा उपकरणों की होगी जांच

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 01 अगस्त । हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य एवं अधिवक्ता संजीव धरू और रेखा रानी ने शनिवार को सैंट मैरी स्कूल में सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर एक दिवसीय औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने विभिन्न संस्थानों और एजेंसियों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों से अलग-अलग बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जांच पूरी होने तक किसी भी सफाई कर्मचारी को नहीं हटाया जाएगा। यदि किसी कर्मचारी के साथ अन्याय हुआ तो संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दौरे के दौरान आयोग सदस्य इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), पानीपत रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स पहुंचे। यहां उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा सफाई कर्मचारियों से संवाद कर उनकी कार्य परिस्थितियों और समस्याओं की जानकारी ली। इससे पूर्व उन्होंने सेंट मैरी स्कूल का निरीक्षण किया और कर्मचारियों से सीधी बातचीत की।

राज्यसभा सांसद एवं समाजसेविका सुधा मूर्ति ने किया कुरुक्षेत्र का दौरा

केडीबी कार्यालय में विकास व शोध कार्यों पर हुई विस्तृत चर्चा

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 01 अगस्त । राज्यसभा सांसद एवं प्रसिद्ध समाजसेविका, लेखिका सुधा मूर्ति ने कुरुक्षेत्र का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के कार्यालय पहुंचकर बोर्ड की कार्यप्रणाली, महाभारत कालीन ऐतिहासिक धरोहरों तथा आगामी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल के विशेष आग्रह पर सुधा मूर्ति जी का आगमन हुआ। कुरुक्षेत्र आगमन पर केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंघल एवं बोर्ड सदस्य अशोक रोशा ने सुधा मूर्ति का स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। इस दौरे के दौरान उनके साथ कुरुक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल, जिंदल ग्रुप के सीईओ धर्मवीर सिंह, राजकुमार तथा उनकी टीम विशेष रूप से मौजूद रही।

सुधा मूर्ति ने बताया कि उनकी संस्था, कंपनी द्वारा पुणे स्थित प्रतिष्ठित अनुसंधान संस्थान भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट में महाभारत शोध हेतु भारी निवेश किया गया है। अब वे भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट को कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के साथ जोडकर महाभारत काल और इसके ऐतिहासिक साक्ष्यों पर गहन शोध एवं अनुसंधान को आगे बढ़ाएंगी। उन्होंने इस वर्ष आयोजित होने वाले भव्य अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में विशेष रूप से शिरकत करने का प्रस्ताव स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र की पावन भूमि और 48 कोस तीर्थ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महाभारतकालीन धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन एवं अध्ययन हेतु वे शीघ्र ही विशेष यात्रा करेंगी। सुधा मूर्ति ने पवित्र श्रावण मास (सावन महीने) के पावन अवसर पर ब्रह्मसरोवर स्थित ऐतिहासिक सर्वेश्वर महादेव मंदिर का दौरा किया। वहां उन्होंने भगवान शिव की विधिवत पूजा- अर्चना एवं जलाभिषेक कर देश और प्रदेश की समृद्धि की कामना की।

भगवा पहनकर पप्पू यादव ने संसद के बाहर पूछा हिसाब-किताब

संदीप शर्मा

भारतीय राजनीति में प्रतीकों का इस्तेमाल हमेशा से होता रहा है। सफेद कुर्ता सादगी का प्रतीक है, काली पट्टी विरोध जताती है, और अब भगवा कपड़े एक बार फिर विरोध का जरिया बन गए हैं। राम मंदिर में कथित चोरी के मुद्दे पर निर्दलीय सांसद पप्पू यादव का संसद में भगवा कपड़ों में आना एक ऐसा कदम था जिसे नजरअंदाज करना नामुमकिन था। और वे इसमें कामयाब भी रहे। लेकिन दिखावे से परे एक ज्यादा अहम सवाल है: प्रतीक किसी मुद्दे को उजागर करना कब बंद कर देते हैं और कब उस पर हावी हो जाते हैं? देश के सबसे अहम धार्मिक स्थलों में से एक में कथित चोरी का मामला, अगर सच है, तो इसकी गहन जांच होनी चाहिए। एक ऐसा मंदिर जो न सिर्फ. आस्था का बल्कि बरसों की राजनीतिक लामबंदी का भी प्रतीक बन गया है, वहां प्रशासनिक लापरवाही की बात भी बर्दाश्त नहीं की जा सकती। भक्तों द्वारा दान किए गए हर रुपये में धार्मिक भावना और जनता का भरोसा दोनों शामिल होते हैं। इसलिए, वित्तीय अनियमितता के किसी भी आरोप की तुरंत, पारदर्शी और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

फिर भी, आज संसद एक ऐसे मंच जैसी लगती है जहां राजनीतिक नाटक अक्सर गंभीर बहस पर हावी हो जाते हैं। भगवा कपड़े, प्लेकार्ड, नाटकीय नारे और वॉकआउट मिनटों में सुर्खियां बटोर लेते हैं, जबकि समिति की चचाएं, ऑडिट रिपोर्ट और संस्थागत सुधारों पर ध्यान खींचना मुश्किल होता है। टेलीविजन कैमरे तमाशे को अहमियत देते हैं; जबकि कामकाज के लिए धैर्य की जरूरत होती है।

पप्पू यादव का विरोध भारतीय राजनीति की एक बड़ी विडंबना को भी उजागर करता है। भगवा रंग को लंबे समय से एक खास राजनीतिक विचारधारा की पहचान के तौर पर पेश किया जाता रहा है। उसी विचारधारा से गहराई से जुड़े मंदिर से जुड़ी कथित अनियमितताओं पर सवाल उठाने के लिए वही कपड़े पहनकर, यादव ने प्रतीकों को उनके पारंपरिक संरक्षकों के खिलाफ ही इस्तेमाल करने की कोशिश की। यह एक ऐसा राजनीतिक संदेश था जिसे संसद के साथ-साथ प्राइम-टाइम टीवी के लिए भी तैयार किया गया था।

हालांकि, बड़ा मुद्दा यह नहीं है कि भगवा कौन पहनता है, बल्कि यह है कि क्या संस्थाएं भरोसा जगाती हैं। अगर चोरी के आरोप बेबुनियाद हैं, तो उन्हें पूरी तरह से गलत साबित किया जाना चाहिए। अगर कोई चूक हुई है, तो जवाबदेही तय होनी चाहिए, चाहे मंदिर का प्रबंधन कोई भी करे या किसी भी पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़े।

राजनीतिक होड़ में आस्था कभी भी बलि का बकरा नहीं बननी चाहिए। मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारे जनता का भरोसा इसलिए जीतते हैं क्योंकि वे पक्षपातपूर्ण लड़ाइयों से ऊपर होते हैं। जिस पल किसी धार्मिक संस्थान से जुड़ा हर विवाद राजनीतिक फायदे के लिए एक और मौका बन जाता है, उस पल आस्था और लोकतंत्र दोनों कमजोर पड़ जाते हैं। लोकतंत्र में प्रतीकात्मक विरोध की अपनी जगह है। वे उन मुद्दों की ओर ध्यान खींचते हैं जो शायद दबे रह जाते। लेकिन प्रतीक सबूत की जगह नहीं ले सकते, और न ही कपड़े जवाबदेही की जगह ले सकते हैं। देश को राजनीतिक दिखावे की कम और संस्थागत पारदर्शिता की ज्यादा जरूरत है। आखिरकार, वेशभूषा बदलने से शायद एक दिन के लिए सुर्खियाँ बदल जाएँ, लेकिन जनता का भरोसा तो ईमानदार जवाबों से ही बहाल होता है।

बढ़ते असंतोष नफरत के बीच सुलगता नेपाल?

मनोज कुमार अग्रवाल

हिंसा के बाद नेपाल सरकार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है. सुरक्षा विशेषज्ञों, विपक्ष और मानवाधिकार कार्यकताओं का आरोप है कि समय रहते राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप नहीं होने से हालात बेकाबू हो गए.पथराव और आगजनी: उपद्रवियों ने कई दुकानों, वाहनों और सरकारी संपत्तियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया. हताहत और वर्तमान स्थितितीन मौतें: पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों और फायरिंग में अब तक तीन लोगों (ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव) की मौत हो चुकी है.

नेपाल नेपाल के दक्षिणी हिस्से (मधेस और कोशी प्रांत) में कांवड़ बोलबम यात्रा और मुहर्रम के लाउडस्पीकर विवाद को लेकर भड़की सांप्रदायिक हिंसा में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों लोग घायल हैं. तनाव को देखते हुए सुनसरी, सिरहा, सलार्ही और जनकपुर सहित 6 से अधिक शहरों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया गया है और स्थिति को काबू में करने के लिए नेपाली सेना को जमीन पर उतार दिया गया है.इस ताजा हिंसा के मामले चिंता बढ़ाने वाले है.नेपाल के सुनसरी जिले से शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा अब कई जिलों तक फैल चुकी है. तीन लोगों की मौत, कई जिलों में कर्फ्यू और सरकार की कार्रवाई पर उठ रहे सवालों के बीच जानिए आखिर नेपाल में क्या हो रहा है? हिंसा की शुरूआत और कारण लाउडस्पीकर और झंडे का विवादः हिंसा की शुरूआत 26 जुलाई की रात सुनसरी जिले के देवानगंज (कप्तानगंज क्षेत्र) से हुई. वहां एक पक्ष की ओर से बोलबम यात्रा की तैयारी चल रही थी और दूसरे पक्ष का भी धार्मिक कार्यक्रम था.डीजे पर तेज संगीत बजाने और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर दोनों समुदायों के बीच कहासुनी हुई, जिसने देखते ही देखते हिंसक झड़प का रूप ले लिया.हालात इतने बिगड़ गए कि कई इलाकों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगाना पड़ा, पुलिस को गोली चलानी पड़ी और अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है. हिंसा के बाद नेपाल सरकार की भूमिका भी सवालों के घेरे में है. सुरक्षा विशेषज्ञों, विपक्ष और मानवाधिकार कार्यकताओं का आरोप है कि समय रहते राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप नहीं होने से हालात बेकाबू हो गए.पथराव और आगजनीः उपद्रवियों ने कई दुकानों, वाहनों और सरकारी संपत्तियों में तोड़फोड़ कर उन्हें आग के हवाले कर दिया. हताहत और वर्तमान स्थितितीन मौतें: पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों और फायरिंग में अब तक तीन लोगों (ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव) की मौत हो चुकी है.कर्फ्यू और सेना की तैनातीः सुनसरी और सिरहा के गोलबाजार, लहान, इनरवा और जनकपुर जैसे संवेदनशील इलाकों में सेना फ्लैग मार्च कर रही है और हेलिकॉप्टर से भी निगरानी रखी जा रही है.नेपाल सरकार की अपीलः नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने देश के नाम संदेश जारी कर लोगों से सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखने की अपील की है. भारत सीमा पर हाई अलर्टनेपाल के ये हिंसा प्रभावित जिले भारत के बिहार राज्य की सीमा से सटे हुए हैं.सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए भारत-नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है. सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) और स्थानीय पुलिस अतिरिक्त चौकसी बरत रही है तथा सीमा पार आने-जाने वाले लोगों की सघन जांच की जा रही है. आपको बता दें कि नेपाल के तराई क्षेत्र में हाल के दिनों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा केवल पड़ोसी देश की कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है। भारत से लगी खुली सीमा, दोनों देशों के बीच गहरे सामाजिक संबंध और सीमावर्ती क्षेत्रों की साझा आर्थिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों को देखते हुए यह घटनाक्रम भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। सुनसरी जिले के कप्तानगंज में दो समुदायों के बीच शुरू हुआ विवाद यदि सिराहा, धनुषा और अन्य क्षेत्रों तक तनाव का कारण बन रहा है, तो इसे सामान्य स्थानीय झड़प मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार हिंसा, पथराव, आगजनी और सुरक्षाबलों के साथ झड़पों के बाद नेपाल के कई संवेदनशील क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाया गया है। लोगों की आवाजाही, सभाओं, प्रदर्शनों और सार्वजनिक बैठकों पर रोक लगाई गई है। संवेदनशील स्थानों, सरकारी कार्यालयों और प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा बढ़ाई गई है। नेपाल की सेना और सशस्त्र पुलिस बल को भी निगरानी में लगाया गया है। इन कदमों से स्पष्ट है कि नेपाली प्रशासन स्थिति की गंभीरता को समझ रहा है, लेकिन असली चुनौती केवल हिंसा रोकना नहीं, बल्कि उसके पीछे सक्रिय अफवाहों, उकसावे और संगठित कट्टरता की पहचान करना है। सांप्रदायिक हिंसा प्रायः अचानक दिखाई देती है, लेकिन उसकी जमीन लंबे समय में तैयार होती है।

किसी धार्मिक आयोजन, जुलूस, रास्ते, नारे, सोशल मीडिया पोस्ट या मामूली विवाद को बहाना बनाकर भीड़ को भड़काया जाता है। कुछ घंटों में स्थानीय विवाद सामुदायिक संघर्ष में बदल जाता है। इसके बाद झूठी तस्वीरें, पुराने वीडियो और अपुष्ट संदेश आग में घी का काम करते हैं। नेपाल में भी प्रशासन को यह जांचना होगा कि क्या सुनसरी की घटना के पीछे कोई सुनियोजित अभियान, भड़काऊ प्रचार या बाहरी सहायता से चलने वाला नेटवर्क सक्रिय था। नेपाली मीडिया में सामने आई कथित सुरक्षा रिपोर्टों ने चिंता को और बढ़ाया है।

चिंतन-मनन : व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को

प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है।उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

फ्रेंडशिप बैंड से कहीं बड़ा है मित्रता का बंधन

श्वेता गोयल

मित्रता केवल एक शब्द या दो व्यक्तियों के बीच का सामान्य संबंध नहीं है, यह वह अदृश्य और पवित्र पुल है, जो दो हृदयों को बिना किसी स्वार्थ और शर्त के आपस में जोड़ता है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में मनाया जाने वाला मित्रता दिवस केवल बधाई संदेशों, फ्रेंडशिप बैंड या उपहारों के आदान-प्रदान का एक औपचारिकता मात्र अवसर नहीं बल्कि उस अनमोल, अलौकिक और आत्मिक रिश्ते का उत्सव है, जो रक्त संबंधों की सीमाओं से परे जाकर केवल विश्वास, समर्पण, संवेदना और अपार आत्मीयता से निर्मित होता है। भारतीय संस्कृति में मित्रता को सदैव जीवन का अमूल्य धन और सर्वोच्च आभूषण माना गया है। हमारे प्राचीन धर्मग्रंथों, कालजयी महाकाव्यों और समृद्ध लोक परंपराओं में मित्रता को धर्म, कर्तव्य और मानवता के उच्चतम नैतिक मूल्यों से सीधा जोड़ा गया है। आज के इस तीव्र गति से बदलते और डिजिटल होते युग में, जहां मानवीय रिश्ते स्क्रीन के पीछे सिमटकर केवल आभासी होते जा रहे हैं, मित्रता दिवस हमें सच्चे, जीवंत और आत्मीय मित्रों के वास्तविक महत्व का पुनः स्मरण कराने का एक सशक्त माध्यम बनता है।

मित्रता दिवस की अवधारणा और इसे मनाने की परंपरा के पीछे एक अत्यंत रोचक और महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि है। वैश्विक स्तर पर यह दिवस दो अलग-अलग तिथियों पर मनाया जाता है, जिससे अक्सर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। 30 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित 'अंतर्राष्ट्रीय मित्रता

दिवस' मनाया जाता है, जिसका मूल उद्देश्य संपूर्ण विश्व में शांति, सांस्कृतिक सद्भाव, बंधुत्व और विभिन्न राष्ट्रों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है। इसके ठीक विपरीत, भारत, नेपाल, बांग्लादेश और मलेशिया सहित दुनिया के अनेक सामाजिक तंत्रों में अगस्त माह के पहले रविवार को मित्रता दिवस के रूप में मनाने की सुदृढ़ सामाजिक परंपरा विकसित हुई। इस वर्ष भारत में यह दिवस 2 अगस्त को मनाया जा रहा है।

भारतीय दृष्टिकोण से मित्रता केवल कोई सामाजिक व्यवस्था या समय बिताने का जरिया नहीं बल्कि एक अत्यंत गहरा आध्यात्मिक और नैतिक मूल्य है। यहां 'मित्र' शब्द का तात्पर्य केवल साथ उठने-बैठने या मनोरंजन करने वाले साथी से नहीं बल्कि उस निस्वार्थ शुभचिंतक से है, जो आपको जीवन में सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दे, विपरीत से विपरीत संकट के क्षणों में अडिग ढाल बनकर खड़ा रहे और आपकी सफलता तथा उन्नति में बिना किसी ईर्ष्या या द्वेष के सहज प्रसन्नता का अनुभव करे। भारतीय इतिहास और पौराणिक वांग्मय में मित्रता की ऐसी अनेक अनूठी और भावविभोर कर देने वाली मिसालें मिलती हैं, जो युगों-युगों से संपूर्ण मानवता का मार्गदर्शन करती आ रही हैं। इनमें भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता को भारतीय संस्कृति का सर्वोच्च और सर्वोत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। महाभारत के महासमर में श्रीकृष्ण और अर्जुन के बीच की मित्रता भी केवल दो व्यक्तियों का आपसी लगाव नहीं बल्कि धर्म, कर्तव्य, मार्गदर्शन और आदर्श का अत्यंत प्रगाढ़ स्वरूप है। इसी प्रकार, रामायण महाकाव्य में भगवान श्रीराम और वनवासी निषादराज गुह की मित्रता सामाजिक समरसता, समानता और निश्छल प्रेम का महानतम संदेश प्रस्तुत करती है। भारतीय लोकजीवन और ग्रामीण चेतना में मित्रता को परिवार के ही समान उच्च और आदरणीय स्थान प्रदान किया गया है। हालांकि, वर्तमान दौर में आधुनिकता, तकनीकी प्रगति और तीव्र गति से बदलती जीवनशैली के कारण मित्रता का मूल स्वरूप और ढांचा बहुत तेजी से बदल रहा है। सोशल मीडिया और डिजिटल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म्स के दौर में जमीनी और वास्तविक जीवन में सच्चे, विश्वसनीय और संवेदी मित्रों की संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। मित्र केवल समय बिताने या केवल मनोरंजन का साधन नहीं होते बल्कि वे जीवन के सबसे मुश्किल पड़ाव पर भावनात्मक सुरक्षा और आत्मबल का सबसे बड़ा आधार स्तंभ होते हैं। मित्रता दिवस का व्यापक महत्व केवल व्यक्तिगत दायरे या दो लोगों के आपसी संबंधों तक ही सीमित नहीं है...

एफएसएसएआई का स्विट्ज फूड्स पर बड़ा एक्शन, फूड सेफ्टी नियमों के उल्लंघन पर लाइसेंस सस्पेंड

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन के मामले में स्विट्ज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उसका फूड बिजनेस लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित (सस्पेंड) कर दिया है। प्राधिकरण ने कंपनी को आदेश दिया है कि सभी कमियों को दूर कर खाद्य सुरक्षा नियमों का पूरी तरह पालन करने तक वह अपनी सभी खाद्य व्यावसायिक गतिविधियां बंद रखे।

एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि कंपनी के विनिर्माण संयंत्र (मैन्युफैक्चरिंग यूनिट) के निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं और स्वच्छता संबंधी खामियां सामने आईं, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।

एफएसएसएआई के अनुसार निरीक्षण के दौरान पाया गया कि खाद्य पदार्थों का निर्माण, पैकेजिंग और भंडारण बेहद अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जा रहा था, जिससे खाद्य पदार्थों के दूषित होने का गंभीर खतरा था। फैक्ट्री परिसर में साफ-सफाई और सैनिटेशन की स्थिति भी बेहद खराब मिली। विशेष रूप से क्रेट वॉशिंग एरिया, नॉन-वेज रिसीविंग एरिया और गाजर काटने वाली मशीन के पास का हिस्सा बेहद गंदा पाया गया।

जांच में यह भी सामने आया कि उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली मशीनें, ट्रॉली, ट्रे, मोल्ड, एचडीपीई क्रेट और अन्य उपकरणों की नियमित सफाई और रखरखाव नहीं किया जा रहा था। उत्पाद भंडारण क्षेत्र के ऊपर से एसी पाइपलाइन का पानी रिस रहा था, जबकि क्रेट साफ करने वाली मशीन भी खराब हालत में मिली।

इसके अलावा, खाद्य प्रसंस्करण उपकरणों, वेंटिलेशन सिस्टम और भोजन के संपर्क में आने वाले बर्तनों पर जंग और क्षरण पाया गया। एग्जॉस्ट फैन पर कीड़ों को रोकने वाली जालियां भी नहीं लगी थीं।

एफएसएसएआई ने आगे बताया कि निरीक्षण के दौरान परिसर में मक्खियां, मच्छर, फ्रूट फ्लाई, मकड़ी के जाले और अन्य कीटों का भारी प्रकोप देखा गया।

इसके अलावा, दीवारों पर सीलन, उखड़ता पेंट, टूटी हुई फर्श की टाइलें, तेल और ग्रीस की मोटी परत जैसी कई गंभीर स्वच्छता संबंधी कमियां भी पाई गईं। निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार अर्धनिर्मित और तैयार खाद्य उत्पादों के बीच उचित अलगाव नहीं था। इसी तरह शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थों को भी अलग-अलग रखने के नियमों का पालन नहीं किया गया। कई कच्चे और अर्धनिर्मित खाद्य उत्पादों पर निर्माण या उपयोग की अंतिम तिथि का उल्लेख नहीं था। तैयार उत्पाद गंदी ट्रे में बिना किसी सुरक्षात्मक लाइनर के रखे गए थे और कोल्ड स्टोरेज में कबाड़ सामग्री भी रखी मिली।

एफएसएसएआई ने यह भी पाया कि कटे हुए चिकन को सामान्य कमरे के तापमान पर डीफ्रॉस्ट किया जा रहा था, जो खाद्य सुरक्षा मानकों के खिलाफ है। तापमान नियंत्रण की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं थी। निरीक्षण के दौरान एक तैयार चिकन सैंडविच बिना अनिवार्य लेबलिंग के भी पाया गया। इन गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए एफएसएसएआई ने स्विट्ज फूड्स का लाइसेंस निलंबित कर दिया है और कंपनी को निर्देश दिया है कि वह फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के सभी प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने और सभी कमियों को दूर करने तक किसी भी प्रकार की खाद्य व्यावसायिक गतिविधि संचालित न करे।

फटाफट खबरें

अगले महीने लांच होगा मोटोरोला का नया टैबलेट

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त। भारत में मोटोरोला कंपनी अपना नया 5जी टैबलेट मोटो पैड 70 अगले महीने 9 अगस्त को लॉन्च करने जा रही है। बड़ी डिस्प्ले, दमदार बैटरी, स्टाइलस सपोर्ट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) फीचर्स के साथ आने वाला यह डिवाइस पढ़ाई, ऑफिस के काम और मनोरंजन के लिए एक मजबूत विकल्प माना जा रहा है। इसकी बिक्री लॉन्च के बाद फ्लिपकार्ट के माध्यम से शुरू होगी, हालांकि कंपनी ने अभी इसकी कीमत की घोषणा नहीं की है। मोटो पैड 70 में 12.1 इंच का 2.5के डिस्प्ले दिया गया है, जिसकी अधिकतम ब्राइटनेस 800 निट्स है।

त्योहारों से पहले लोगों को लगेगा झटका! टूथपेस्ट, सर्फ, पेंट सब हो जाएंगे महंगे

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त। मानसून विदा होते ही भारतीय त्योहारों की तैयारियां शुरू हो जाएंगी। घर के रंग-रोगन कराने से लेकर रसोई में नए साज्जो-सामान लाने की योजना बनने लगेगी, लेकिन पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव आने वाले त्योहारी सीजन में आम उपभोक्ता के जेब पर भारी पड़ सकता है। इसका कारण है कि टूथपेस्ट, कपड़े धोने के सर्फ और घर की दीवारों पर लगने वाले पेंट से लेकर टायरों तक के दाम बढ़ाने की कंपनियां तैयारी कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फेस्टिव सीजन से पहले एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स कंपनियां लगातार दूसरी तिमाही में दाम बढ़ाने की सोच रही हैं। एक रिपोर्ट में अनुसान लगाया है कि हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, हैवेल्स और डोडला डेयरी समेत कम से कम 8 बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्ट्स की कीमत बढ़ाएंगी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध की वजह से कच्चे माल और कमोडिटी की लागत बढ़ गई है। इससे कंपनियों के खर्च में इजाफा हुआ है। बढ़े हुई कीमत का भार कंपनियां आम आदमी पर डालेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड ने संकेत दिया है कि अगले कुछ महीनों में डिटर्जेंट और बर्तन धोने वाले बार जैसे उत्पादों की कीमतों में सीमित बढ़ोतरी की जाएगी। कंपनी विम, सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील जैसे ब्रांड बनाती हैं।

कम्यूटर स्कूटरों की एक नई श्रृंखला पेश करेगी पियाजियो

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त । भारतीय दोपहिया बाजार में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए पियाजियो कंपनी वर्ष 2027 की पहली छमाही में कम्यूटर स्कूटरों की एक नई श्रृंखला पेश करने जा रही है। पियाजियो के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डिएगो ग्रैफी के अनुसार, कंपनी पूरी तरह भारत को ध्यान में रखकर एक नए प्लेटफॉर्म पर स्कूटरों की यह श्रृंखला विकसित कर रही है। यह केवल एक मॉडल नहीं होगा, बल्कि एक ही ब्रांड के तहत कई अलग-अलग स्कूटर पेश किए जाएंगे, जिनकी कीमतें प्रतिस्पर्धी रखी जाएंगी। वर्तमान में पियाजियो भारत में मुख्य रूप से वेस्पा ब्रांड के प्रीमियम स्कूटर बेचती है, जिनकी शुरूआती कीमत लगभग 1.20 लाख रुपये से अधिक है। ऊंची कीमत के कारण यह ब्रांड सीमित ग्राहकों तक ही पहुंच बना सका है। अब कंपनी कम कीमत वाले और रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त स्कूटरों के जरिए बड़े ग्राहक वर्ग तक पहुंचने की रणनीति पर काम कर रही है।

125 की जगह 95 में पेट्रोल: ई-20 पर मोदी सरकार का बड़ा दावा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त ।**

केंद्र सरकार ने अपने ई-20 इथेनॉल ब्लेंडिंग पेट्रोल कार्यक्रम का फिर बचाव कर बड़ा दावा किया है। मोदी सरकार ने कहा कि अगर इथेनॉल ब्लेंडिंग से भारत की कच्चे तेल पर आयात निर्भरता कम न हुई होती, तब हालिया पश्चिम एशिया संकट के दौरान पेट्रोल की कीमतें 125 प्रति लीटर तक पहुंच सकती थीं। हालांकि, कार्यक्रम की सफलता के चलते फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल 95 रुपये से भी कम में मिल रहा है।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि ई-20 इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम ने ग्राहकों को वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद, सरकार के समय पर किए गए उपायों और देश में बने इथेनॉल के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से घरेलू पेट्रोल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी ही हुई। केंद्र सरकार के अनुसार, इस स्थिति में पेट्रोल की बाजार कीमत लगभग 125 प्रति लीटर हो सकती थी, लेकिन भारतीय ग्राहकों को दिल्ली में मात्र 94.77 प्रति लीटर चुकाना पड़ रहा है, क्योंकि पब्लिक सेक्टर की तेल मार्केटिंग कंपनियां करीब 70 प्रति लीटर की दर से इथेनॉल खरीद पा रही हैं।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि इथेनॉल ब्लेंडिंग पेट्रोल कार्यक्रम को नीति आयोग, वाहन निर्माताओं, ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई), सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) और तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) सहित अन्य तकनीकी संस्थानों के साथ परामर्श कर चरणबद्ध और वैज्ञानिक तरीके से लागू किया है।

मारुति सुजुकी ब्रेजा नए अवतार में लांच

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त**

अपनी लोकप्रिय सब-4-मीटर कॉम्पैक्ट एसयूवी, 2026 मारुति सुजुकी ब्रेजा को मारुति सुजुकी ने नए अवतार में लॉन्च किया है। इसकी शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 7.40 लाख तय की गई है, जो इसे पहले से कहीं अधिक प्रीमियम और तकनीकी रूप से उन्नत बनाती है। गाड़ी की बाहरी बनावट में नया फ्रंट ग्रिल, रिवाइज्ड बम्पर, नए ट्रायंगुलर फॉग लैंप हाउसिंग और नए स्टाइल वाले 16-इंच अलॉय व्हील्स प्रमुख बदलाव हैं। यह 2022 में आई सेकंड-जनरेशन के बाद से ब्रेजा का सबसे व्यापक अपडेट है, जिसमें न केवल लुक और इंटीरियर में बड़े बदलाव किए गए हैं, बल्कि एक बिल्कुल नया टर्बो-पेट्रोल इंजन, नया 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और सेगमेंट-फर्स्ट सुरक्षा फीचर्स भी शामिल हैं। 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल वेरिएंट में टेलगेट पर विशिष्ट टर्बो बैज और स्पोर्टी रेड हाइलाइट्स भी मिलेंगे। इंटीरियर को काफी प्रीमियम बनाया गया है, जिसमें क्लासिक ब्लैक और ब्राउन डुअल-टोन थीम के साथ पुराने सिल्वर इंसर्ट्स की जगह नया ग्लॉस ब्लैक फिनिश दिया गया है। नई लेदरेट सीटें नए पैटर्न और सिलाई के साथ आती हैं, और एसी व क्लाइमेट कंट्रोल के लिए आधुनिक बटन दिए गए हैं। फीचर्स के मामले में, 2026 ब्रेजा में अब 10.1-इंच का स्मार्टप्ले प्रो एक्स टचस्क्रीन, वेंटिलेटेड सीटें, 64-कलर एम्बिएंट लाइटिंग, कूल्ड वायरलेस चार्जर, इन-बिल्ट एयर प्यूरीफायर (पीएम2.5), 360-डिग्री एचडी कैमरा, इलेक्ट्रिक सनरूफ और हेड्स-अप डिस्प्ले (एचयूडी) जैसे उन्नत फीचर्स मिलते हैं।

नई ब्रेजा तीन पावरट्रेन विकल्पों के साथ उपलब्ध है: एक नया 1.0-लीटर बूस्टरजेट टर्बो-पेट्रोल (110 बीएचपी), 1.5-लीटर के15सी नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल (103 बीएचपी), और एक फैक्ट्री-फिटेड 1.5-लीटर के15सी सीएनजी संस्करण। सीएनजी सिलेंडर अब अंडरबॉडी में माउंटेड है, जिससे बूट स्पेस में काफी सुधार हुआ है।

'समुद्र मंथन' योजना से भारत को कच्चे तेल और गैस के आयात पर दीर्घकालिक निर्भरता घटाने में मिलेगी मदद: सरकार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त । पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार की नई 'समुद्र मंथन' योजना भारत को लंबे समय में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के आयात पर निर्भरता कम करने में मदद करेगी। मंत्रालय ने कहा कि बेहतर भू-वैज्ञानिक डेटा, जोखिम साझा करने की व्यवस्था, साझा बुनियादी ढांचे और घरेलू विनिर्माण क्षमताओं के जरिए यह योजना देश में गहरे समुद्री (डीपवॉटर) तेल और गैस की खोज तथा उत्पादन के लिए मजबूत इकोसिस्टम तैयार करेगी, जिससे ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और भारत आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकेगा।

मंत्रालय के अनुसार, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उपभोक्ता है और देश का सालाना तेल आयात बिल करीब 144 अरब डॉलर (लगभग 13 लाख करोड़ रुपए) है। हाल के वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए ऊर्जा संसाधनों की सुरक्षित और निर्बाध उपलब्धता रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। मंत्रालय ने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत की ऊर्जा मांग लगातार बढ़ने की संभावना है। ऐसे में घरेलू स्तर पर तेल और गैस उत्पादन बढ़ाना आयात पर निर्भरता कम करने, ऊर्जा क्षेत्र को अधिक मजबूत बनाने और देश की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को 'समुद्र मंथन' राष्ट्रीय अपतटीय (ऑफशोर) अन्वेषण योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना के लिए 84,084 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है और इसे वित्त वर्ष 2030-31 तक लागू किया जाएगा।

मारुति ई-विटारा 47 देशों में बनी ग्राहकों की पसंद

» **दिल्ली, यूटर्न/ 01 अगस्त ।**

भारत से इलेक्ट्रिक कारों का निर्यात लगभग 14 गुना बढ़ गया है, जो पिछले साल की 1,122 यूनिट्स से बढ़कर इस साल 15,600 यूनिट्स तक पहुँच गया है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) के यह आंकड़े इस वृद्धि को दर्शाते हैं। यह वृद्धि भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए एक नई उड़ान का संकेत है, जिसमें विदेशी बाजारों में भारत निर्मित ईवी की बढ़ती स्वीकार्यता दिखती है। इस शानदार सफलता का श्रेय मुख्य रूप से मारुति सुजुकी की नई इलेक्ट्रिक कार, ई-विटारा को जाता है, जिसने विदेशी बाजारों में धूम मचा दी है। कुल निर्यात की गई 15,600 कारों में से लगभग 15,200 कारें अकेले मारुति की ई-विटारा की हैं, जिससे यह भारत से सबसे ज्यादा निर्यात होने वाली कारों की सूची में सीधे तीसरे नंबर पर आ गई है। ई-विटारा की सफलता दुनिया के 47 अलग-अलग देशों तक फैली है, जिनमें यूरोप, एशिया और अफ्रीका के कई बड़े बाजार शामिल हैं, जो मेक इन इंडिया पहल की वैश्विक स्वीकार्यता और भारतीय तकनीक, डिजाइन व सुरक्षा पर दुनिया के भरोसे को दर्शाता है।

जबकि मारुति सुजुकी वर्तमान में निर्यात में आगे है, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी अन्य भारतीय दिग्गज कंपनियां भी अपनी नई इलेक्ट्रिक कारों को विदेशी बाजारों में लॉन्च करने के लिए तेजी से तैयारी कर रही हैं, जिससे यह आंकड़ा भविष्य में कई गुना और बढ़ने की उम्मीद है।

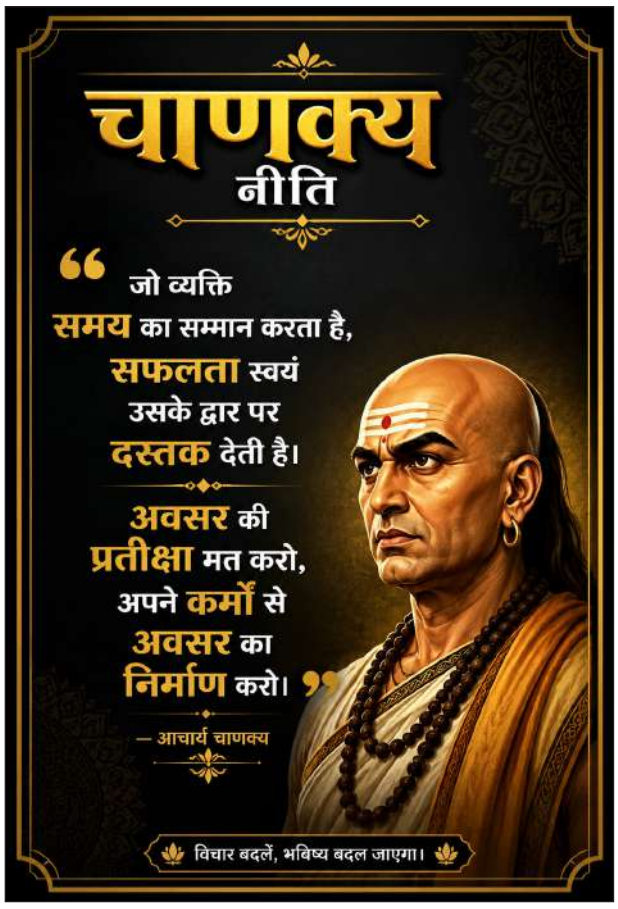

एएसआई पर हमला, अपहरणकर्ता गिरफ्तार

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

ग्रेटर फरीदाबाद के सेक्टर-78 क्षेत्र में बृहस्पतिवार देर रात बेखौफ बदमाशों द्वारा पुलिसकर्मी पर जानलेवा हमला कर उनकी परिचित महिला का अपहरण करने की वारदात सामने आई है। बीपीटीपी थाने में तैनात सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) धर्मेंद्र के साथ मारपीट कर आरोपी उनकी कार छीन ले गए और कार में सवार महिला को भी साथ ले भागे। सूचना मिलते ही हरकत में आई क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस के आधार पर घेराबंदी कर युवती को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि घायल युवती का निजी अस्पताल में इलाज जारी है।

कार के आगे बाइक लगाकर रोका रास्ता, एएसआई पर सरिये से किया वार

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, एएसआई धर्मेंद्र बृहस्पतिवार रात करीब 10 बजे सेक्टर-78 स्थित विज्ञान भवन के पीछे अपनी परिचित एक महिला डॉक्टर (डेंटिस्ट) के साथ कार में बैठे बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने पुलिसकर्मी की कार के आगे अपनी बाइक अड़ाकर रास्ता रोक लिया। जब एएसआई ने

इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उनके साथ हाथापाई शुरू कर दी।

इसी बीच दो अन्य युवक भी मौके पर पहुंच गए, जिनमें से एक के हाथ में लोहे का सरिया था। आरोपियों ने एएसआई धर्मेंद्र पर सरिये से हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। इसके बाद एक आरोपी कार की ड्राइवर सीट पर बैठ गया और दूसरा जबरन युवती के साथ पीछे की सीट पर बैठ गया। आरोपी कार छीनकर युवती के साथ मौके से फरार हो गए और काफी देर तक उसे अलग-अलग इलाकों में घुमाते हुए मारपीट करते रहे।

एएसआई ने एक आरोपी को दबोचा, क्राइम ब्रांच ने फरीदपुर बस अड्डे के पास घेरा

वारदात के दौरान गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद एएसआई धर्मेंद्र ने मौके पर मौजूद एक आरोपी को पकड़ लिया। उन्होंने तुरंत बीपीटीपी थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच सेक्टर-75 और सेक्टर-65 की टीमें तुरंत एक्शन मोड में आ गईं। पुलिस ने मौके पर पकड़े गए आरोपी से कड़ाई से पूछताछ की, जिससे अन्य बदमाशों के मोबाइल नंबर और संभावित ठिकानों की जानकारी मिल गई।

इसके बाद तकनीकी निगरानी और लोकेशन ट्रेस कर पुलिस टीमों ने आरोपियों का पीछा करना शुरू किया। क्राइम ब्रांच की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव फरीदपुर बस अड्डे के पास अपहृत कार को चारों तरफ से घेर लिया।

दो आरोपी गिरफ्तार, अन्य साथियों की तलाश जारी

पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि युवती को सुरक्षित और सकुशल मुक्त कराया, जिसे इलाज के लिए तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

मौके से पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनकी पहचान यश (निवासी गांव भतौला) और यशराज (निवासी गांव फरीदपुर) के रूप में हुई है। पुलिस गिरफ्त में आए आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और वारदात में शामिल उनके अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

बेटियों को साथ रखने से इन्कार करने पर की थी पत्नी की हत्या, गिरफ्तार

लोनी, यूटर्न/ 01 अगस्त । लोनी की पूजा कॉलोनी में हुई प्रमिला उर्फ सुशीला की हत्या के आरोप में उसके पति पवन को ट्रोनिका सिटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हत्यारोपी ने पहली पत्नी की दो बेटियों को साथ रखने को लेकर हुए विवाद के दौरान पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद वह दो घंटे तक शव के पास बैठकर रोता रहा और फिर पकड़े जाने के डर से मकान बंद करके बिहार भाग गया था।

एसीपी लोनी राम किशन ने बताया कि प्रमिला उर्फ सुशीला के बेटे ने बृहस्पतिवार को

पवन के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस आरोपी पति पवन की तलाश कर रही थी और उसकी लोकेशन बिहार में थी। पुलिस की टीम बिहार के मुजफ्फरपुर के दोस्तपुर गांव में डेरा डाले थी और वह चकमा देकर लोनी आ गया। मुखबिर की सूचना पर आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी की कुछ दिन पहले मौत हो गई थी। चूंकि प्रमिला उसके पड़ोस के गांव की थी और उससे जान पहचान थी। वह अकेली रहती थी तो उससे एक साल पहले बिहार के एक मंदिर में शादी कर ली थी। इसके बाद वह दोनों उसकी गोद ली गई बेटा विद्या के साथ दिल्ली आ गए थे। अब उसकी दो बेटियां गांव में रहती हैं और उनको साथ रखने को लेकर प्रमिला से विवाद हो जाता था। 24 जुलाई को फिर विवाद हुआ तो गला दबाकर मार डाला। इसके दो घंटे तक पत्नी के शव के साथ बैठकर रोता रहा। उसने पत्नी के शव के फोटो लिए और सेल्फी भी ली कि वह उसे याद रहे। चूंकि वह प्रमिला के प्यार करता था, लेकिन बेटियों को साथ रखने को वह तैयार नहीं थी। हत्या के बाद वह रात में जब बाहर गली में लोगों का आना जाना बंद हो गया। तो पवन छत से उतरकर कमरे की बाहर से कुंडी बंद करके मेन गेट का ताला लगाकर भाग गया था। 27 जुलाई को उसके शव से बदबू आई तो पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी तो सड़ी-गली अवस्था में उनका शव मिला।

शादी का वादा कर साढ़े तीन साल तक दुष्कर्म करने का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

» गुरुग्राम, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

एक युवती ने शादी का वादा कर साढ़े तीन साल तक दुष्कर्म करने, पैसे ऐंठने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना सेक्टर-51 पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस को दी शिकायत में 25 साल की युवती ने बताया कि वो गुरुग्राम में ही रहती है। कुछ समय पहले उसकी पहचान दिल्ली के करोल बाग निवासी युवक रोहित से हुई थी। आरोप है कि युवक ने युवती को शादी का वादा दिया।

युवती के अनुसार एक जनवरी 2023 से 20 जून 2026 के बीच कई बार आरोपी उसे सेक्टर-67 स्थित एक सोसाइटी के फ्लैट में ले गया। वहां उसने युवती के साथ बार-बार शारीरिक संबंध बनाए। युवती के अनुसार आरोपी ने शादी का वादा कर उससे मोटी रकम भी ऐंठ ली। जब युवती ने आरोपी पर शादी करने का दबाव बनाया तो वह अपने वादे से मुकर गया। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता को जान से मारने की धमकियां देना शुरू कर दिया। परेशान होकर युवती ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि महिला थाना ईस्ट में प्राथमिकी दर्ज की गई है। तथ्यों की जांच के साथ ही बयान दर्ज कराने समेत अन्य कार्रवाई की जा रही है।

दीपक अगरौला गैंग का 15 हजार का इनामी नितिन गिरफ्तार

लोनी, यूटर्न/ 01 अगस्त । दीपक अगरौला गैंग सदस्या और 15 हजार रुपये के इनामी दिल्ली गढ़ी निवासी नितिन को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। आरोपी

अपने साथियों के साथ 25 दिसंबर 2025 को सभापुर अंडरपास के नजदीक युवक पर फायरिंग की थी। एसीपी अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने बताया कि मुकुल बंसल 25 दिसंबर 2025 को सभापुर अंडरपास के पास एक वाशिंग सेंटर पर कार धुलवाने के लिए गए थे। जब वह वाशिंग सेंटर के पास कुर्सी पर बैठे थे तो गांव अगरौला निवासी जेल में बंद दीपक के भाई राजे उर्फ मुन्ना व उसके दो साथियों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई थी। गोलियां उनके दोनों हाथों व दायें पैर में लगी थी। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि जेल में बंद बदमाश दीपक व उसके भाई राजे के कहने पर मुकुल पर फायरिंग की थी।

फर्जी पुलिसकर्मी बनकर युवकों को बनाया बंधक, 25 लाख की मांगी फिरौती, चार गिरफ्तार

गुरुग्राम, यूटर्न/ 01 अगस्त । फर्जी दिल्ली पुलिसकर्मी बनकर युवकों को बंधक बनाकर 25 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। एक युवक की सूझबूझ से यह साजिश विफल हो गई। इस घटना में एक महिला सहित चार आरोपी मौके से गिरफ्तार किए गए। हालांकि, तीन अन्य आरोपी भागने में सफल रहे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोहतक के शिवाजी कॉलोनी निवासी सतविंदर सिंह, टीनू, बहु अकबरपुर निवासी नवीन और वार्ड-18 के आर्या नगर निवासी स्नेहा के रूप में हुई है।

पीड़ित नितिन पाल सिंह कालकाजी, दिल्ली निवासी की शिकायत पर खेड़की दौला थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर अन्य तीन आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

के रहने वाले हैं। वह बीते डेढ़ महीने से गुरुग्राम के सेक्टर-86 स्थित अंसल हाइट्स सोसायटी के फ्लैट नंबर-1102 में रह रहे थे। बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे वह अपने दोस्तों अंकित, सागर और मोहित के साथ फ्लैट में पार्टी कर रहे थे। तभी दरवाजे पर एक महिला आई और खुद को पड़ोसी बताया। दरवाजा खुलते ही महिला के साथ छह युवक फ्लैट में घुस गए। युवकों ने खुद को दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम का सदस्य बताया और उन्होंने अपने पहचान पत्र भी दिखाए। घुसने वाले युवकों ने पीड़ित से कहा कि फ्लैट में गलत काम चल रहा है। इसके चलते छापा मारा गया है। आरोप है कि फर्जी पुलिसकर्मियों ने युवकों के साथ मारपीट भी की। इसके बाद उन्हें बंधक बना लिया गया। कार्रवाई न करने की एवज में 25 लाख रुपये

❐ दरवाजा खुलते ही महिला के साथ छह युवक फ्लैट में घुस गए। युवकों ने खुद को दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम का सदस्य बताया और उन्होंने अपने पहचान पत्र भी दिखाए। घुसने वाले युवकों ने पीड़ित से कहा कि फ्लैट में गलत काम चल रहा है। इसके चलते छापा मारा गया है। आरोप है कि फर्जी पुलिसकर्मियों ने युवकों के साथ मारपीट भी की।

की मांग की गई। युवकों के पास इतने रुपये नहीं थे, जिससे वे काफी डर गए थे। उन्होंने अपने दोस्त से रुपये मंगवाने की बात कही।

शिकायतकर्ता के दोस्त सागर को उसके दोस्त जागृत लूथरा के पास रुपये लेने भेजा गया। फर्जी पुलिसकर्मी बनकर आए युवकों में से एक सागर के साथ उसकी गाड़ी में गया। रास्ते में आरोपी ने धमकी दी कि होशियारी करने पर फ्लैट में मौजूद दोस्तों को जान से मार दिया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

अल-फलाह में स्पॉन्सर नोट प्रक्रिया पूरी करने की मांग

फरीदाबाद, यूटर्न/ 01 अगस्त । दिल्ली लाल किला ब्लास्ट मामले के बाद सुर्खियों में आई फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़ा एक नया मामला सामने आया है। यूनिवर्सिटी के अल-फलाह स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर के एक एमबीबीएस छात्र के अभिभावक ने यूनिवर्सिटी प्रशासन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता की प्रक्रिया जल्द पूरी करने की गुहार लगाई है। वर्ष 2023 बैच के एमबीबीएस छात्र के पिता और दिल्ली के द्वारका निवासी जसवीर सिंह देसवाल ने यूनिवर्सिटी के डीन, प्रिंसिपल और रजिस्ट्रार को ईमेल भेजकर आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने पत्र में कहा है कि यूनिवर्सिटी को वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मेडिकल स्कूल्स (डब्ल्यूडीओएमएस) में ईसीएफएमजी स्पॉन्सर नोट हासिल करने की प्रक्रिया तुरंत पूरी करनी चाहिए।

कचरा वाहनों की निगरानी, ट्रैफिक उल्लंघन पर ऑनलाइन चालान

गुरुग्राम, यूटर्न/ 01 अगस्त । गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) को और स्मार्ट बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब शहर के 31 कचरा संग्रहण वाहनों की रियल-टाइम निगरानी आईसीसीसी से होगी। इसके साथ ही एआई आधारित ट्रैफिक एनफोर्समेंट सिस्टम के जरिए लेन ड्राइविंग का उल्लंघन करने वाले और नो एंट्री में घुसने वाले भारी वाहनों के खिलाफ स्वतः ऑनलाइन चालान जारी किए जाएंगे। जीएमडीए ने कचरा संग्रहण वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर शहर के सीसीटीवी कैमरा नेटवर्क से मैप कर दिए हैं। अब ये वाहन जहां भी गुजरेंगे, उनकी लोकेशन और गतिविधियों पर कंट्रोल सेंटर से नजर रखी जाएगी। इससे कचरा परिवहन की निगरानी मजबूत होगी और रास्ते में कचरा गिराने या अनुचित निस्तारण जैसी शिकायतों पर संबंधित वाहन की पहचान कर तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी।

जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीसी मीणा ने कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से स्वच्छता व्यवस्था की निगरानी, परिचालन क्षमता और जवाबदेही को और बेहतर बनाया जा रहा है। इससे संचालन संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान भी संभव होगा।

शूटिंग सेट पर हादसा, रश्मिका मंदाना के कूल्हे में गंभीर चोट, फिल्मों की शूटिंग पर असर

डॉक्टर ने दी 6 हफ्ते की पूरी आराम की सलाह

खबर है कि 'पुष्पा' फेम एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना अपनी आने वाली फिल्मों 'रणबाली' और 'म्यसा' की शूटिंग के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस के कूल्हे (ँस्र) में गंभीर चोट आई है, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें पूरी तरह आराम करने की सलाह दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका को यह चोट इन दोनों प्रोजेक्ट्स के लिए एक जबरदस्त एक्शन और डांस सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान लगी। इस चोट के कारण उनके कूल्हे का टेंडन पूरी तरह से अलग हो गया है। डॉक्टरों ने इस स्थिति को गंभीर बताया है और कहा है कि ऐसी चोटें आमतौर पर उन एथलीट्स को लगती हैं जो कड़ी फिजिकल ट्रेनिंग करते हैं। वे एक एक्ट्रेस को ऐसी चोट लगी देखकर हैरान थे। रश्मिका को अब अगले छह हफ़्तों तक पूरी तरह आराम करने और काम पर लौटने से पहले पूरी तरह ठीक होने के लिए एक तय रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम का पालन करने की सलाह दी गई है। रश्मिका की 'रणबाली' एक आने वाली पैन-इंडिया हिस्टोरिकल एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसे राहुल सांकृतियन ने डायरेक्ट किया है। ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान 1854 और 1878 के बीच सेट यह फिल्म एक महान योद्धा की कहानी है, जो दमन और अस्तित्व की लड़ाई के समय अपने लोगों की रक्षा के लिए आगे आता है। फिल्म में विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही रश्मिका मंदाना 'जयम्मा' के रोल में और हॉलीवुड एक्टर अर्नोल्ड वोस्लो मुख्य विलेन के रोल में हैं। माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा टी-सीरीज के साथ मिलकर प्रोड्यूस की गई 'रणबाली' 11 सितंबर, 2026 को तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'म्यसा' एक आने वाली पैन-इंडिया पीरियड एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं और इसे रविंद्र पुल्ले ने डायरेक्ट किया है। गोंड आदिवासी समुदाय की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म रश्मिका के किरदार की एक जबरदस्त, एक्शन से भरपूर यात्रा को दिखाती है, जिसमें वह युद्ध और अस्तित्व की लड़ाई का सामना करते हुए जवाब तलाशती है। फिल्म में गुरु सोमसुंदरम, ईश्वरी राव, राहुल रवींद्रन, प्रवीण डचारम, तारक पोनप्पा, राव रमेश और शत्रु भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अगर कोई बात सही है, तो उसके लिए बोलना जरूरी है: सानवी तलवार

अभिनेत्री सानवी तलवार का कहना है कि अब उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं, अगर कोई बात सही है, तो उसके लिए बोलना जरूरी है। अपने अनुभवों से सीख लेते हुए सानवी ने बताया कि अब उन्हें समझ आया है कि अपनी राय तभी रखनी चाहिए जब उन्हें सही लगे। उन्होंने कहा, पहले मैं सिर्फ कुछ सीमित लोगों से ही बात किया करती थी, लेकिन अब मुझे अहसास हुआ है कि जब कोई बात एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुँचती है, तो उसका अर्थ बदल जाता है।

इसलिए, अब मैंने खुलकर अपनी बात रखने का फैसला किया है, और मैं इसमें पूरी तरह सहज हूँ। अब मैं इस बात की चिंता नहीं करती कि लोग मेरे बारे में क्या सोचेंगे। अगर मुझे लगता है कि कोई बात सही है, तो मुझे उसके बारे में बोलना ही चाहिए। दरअसल, सानवी तलवार ने एक पुराने इंटरव्यू में अभिनेता करण कुंद्रा पर 2015 के टीवी शो ये कहाँ आ गए हम के सेट पर एक सीन के दौरान जबरन किस करने का आरोप लगाया था। सानवी के अनुसार, डायरेक्टर के एक्शन बोलने से पहले ही करण ने उन्हें किस किया था, जिसके जवाब में सानवी ने उन्हें थप्पड़ मार दिया था।

आइकॉनिक गाने को रीक्रिएट करना आसान नहीं होता: माहिरा शर्मा

साल 1995 की ब्लॉकबस्टर फिल्म करण अर्जुन का मशहूर गीत मुझको राणाजी माफ करना आज भी लोगों की जुबान पर चढा हुआ है। 90 के दशक के इस गाने ने रिलीज के समय जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी और आज भी इसे एक सदाबहार क्लासिक माना जाता है। इस लोकप्रिय गाने को अब एक नए अंदाज में राणाजी 2.0 नाम से पेश किया गया है। इस गाने में अभिनेत्री माहिरा शर्मा नजर आ रही हैं। माहिरा शर्मा ने इस गाने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि इतने लोकप्रिय गाने को रीक्रिएट करना उनके लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि दर्शकों की उम्मीदें पहले से ही बहुत बड़ी थीं। माहिरा शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, जब आप किसी आइकॉनिक गाने से जुड़ते हैं तो थोड़ा दबाव जरूर होता है, क्योंकि उन गानों से लोगों की पुरानी यादें और भावनाएँ जुड़ी होती हैं। मेरी कोशिश रही कि मैं अपनी एक अलग एनर्जी लेकर आऊँ, लेकिन गाने की असली पहचान और उस एहसास को भी बरकरार रखूँ, जिसने उसे इतना खास बनाया था। उन्होंने आगे बताया कि राणाजी 2.0 का संगीत, कोरियोग्राफी और पूरे वीडियो का लुक मिलकर एक बिल्कुल नया अनुभव प्रदान करता है। माहिरा ने उम्मीद जताई कि जिस तरह पूरी टीम ने इस गाने को बनाते समय आनंद लिया, उसी तरह दर्शक भी इसे देखकर खूब पसंद करेंगे और यह नया वर्जन भी उनके दिलों में जगह बनाएगा। इस नए गाने की कोरियोग्राफी मशहूर डांस डायरेक्टर रेमो डिसूजा ने की है।

'थोड़ा और बेहतर हो सकता था, इंजरी से वापसी करने पर डर रहता है', सिल्वर मेडल जीतने पर बोले नीरज चोपड़ा

» ग्लासगो, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के 9वें दिन जैवलिन थ्रो में भारत की झोली में दो मेडल आए। नीरज चोपड़ा ने सीजन का अपना बेस्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता, तो यशवीर सिंह ब्रॉन्ज पर कब्जा जमाने में सफल रहे। नीरज ने माना कि इंजरी से वापसी करने पर मन में थोड़ा डर रहता है। उन्होंने कहा कि वह थोड़ा और बेहतर कर सकते थे।

नीरज ने पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए कहा, 'बहुत खुशी है कि मेरे साथ यशवीर भी मेडल जीतने में सफल रहे। ऐसा पहले एशियन गेम्स में हुआ था, जहां मैंने और किशोर ने मेडल जीता था और मुझे खुशी है कि यशवीर ने यहां अपने सीजन का बेस्ट प्रदर्शन किया। काफी अच्छा लग रहा है कि हम पोडियम पर हैं। हमारी हमेशा कोशिश रहती है कि देश का नेशनल एंथम बजे, लेकिन ठीक है मैंने भी सीजन का अपना बेस्ट प्रदर्शन किया। मेरी वापसी ठीक हो रही है और आगे बाकी प्रतियोगिता में बेहतर करने की कोशिश करूंगा।'

नीरज ने गोल्ड मेडल जीतने वाले श्रीलंका के रोमेश थरंगा के थ्रो की तारीफ की, जिन्होंने 89.75 मीटर का थ्रो फेंका। उन्होंने कहा, 'जाहिर तौर पर थरंगा का थ्रो काफी अच्छा था। मुझे भी लग रहा था कि मैं थोड़ा और बेहतर कर सकता हूं, लेकिन मैं लाइन नहीं पकड़ पा रहा था। मैं फिर से लय में आने की धीरे-धीरे कोशिश कर रहा हूं।' नीरज ने मजाकिया अंदाज में यह भी कहा, 'पता नहीं मैं ठंड में उतना बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाता हूं, मुझे गर्मी पसंद है, क्योंकि मेरे अंदर भारतीय खून है ना।'

नीरज ने अपनी फिटनेस को लेकर बात करते हुए कहा, 'देखिए, मैं यह नहीं कह सकता हूं कि मेरी फिटनेस पहले जैसी है। अभी धीरे-धीरे उस फिटनेस को हासिल करने का प्रयास जारी है। इंजरी के बाद मेरी पहली प्रतियोगिता दोहा में थी, जहां कोई नहीं कह सकता कि हम अच्छी तैयारी में थे। हालांकि, यहां थोड़ा बेहतर था। बस कोशिश है कि आने वाली प्रतियोगिता में पूरी तरह से लय हासिल कर सकूं। यकीनन अभी और सुधार होगा। मैं यह नहीं कह सकता हूं कि सीजन बेस्ट के मेरे इस प्रदर्शन में बहुत सुधार हुआ है, लेकिन आगामी इवेंट्स में मैं और बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करूंगा।' भारतीय स्टार एथलीट ने आगे कहा, 'जब आप 100 प्रतिशत फिट रहते हैं, तो वो लड़ने का जज्बा अलग रहता है और लगता है कि कुछ भी कर सकते हैं।

'पोडियम पर खड़े होने से बेहतर एहसास कुछ नहीं', ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बोले तेजस्विन शंकर

» ग्लासगो, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का 9वां दिन भारत के लिए शानदार रहा। देश की झोली में एक ही दिन में दो गोल्ड समेत कुल 6 मेडल आए। डेकाथलॉन स्पर्धा में तेजस्विन शंकर ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। वह इस खेल में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। तेजस्विन ने 'आईएएनएस' के साथ बात करते हुए बताया कि यह मेडल उनके लिए काफी खास है। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बेहद खास है। जाहिर तौर पर भारत के लिए मेडल जीतना गर्व की बात है। जब आप पोडियम पर खड़े होते हैं, तो इससे बेहतर एहसास और कुछ नहीं होता है। मेरे लिए निजी तौर पर एक एहसास जो थोड़ा सा ज्यादा बेहतर है वो है कि मैं नतीजे के बिना चिंता किए भारत की जर्सी पहनकर खेल रहा हूं। यकीनन नतीजा काफी अहमियत रखता है। अगर मैं यहां चौथी पोजीशन पर होता, तो शायद इतने लोग मुझसे बात नहीं कर रहे होते। मैं तीसरा हूं या फिर मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों में शामिल हूं, इसी कारण मुझे अहमियत मिल रही है।' भारतीय एथलीट ने आगे कहा, 'डेकाथलॉन एक ऐसा खेल है, जो आपको जिंदगी के बारे में सिखाता है। इस खेल में हर मोड़ पर काफी उतार-चढ़ाव होते हैं। किसी इवेंट में आपका विपक्षी खिलाड़ी आपसे अच्छा होता है, तो किसी में आप उससे अच्छे होते हैं।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

भारत की मदद से एक और स्कूल बिल्डिंग का निर्माण शुरू

» काठमांडू, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

भारत सरकार की वित्तीय मदद से नेपाल के लुंबिनी स्थित बांके जिले की खजुरा ग्रामीण नगरपालिका में एक नए विद्यालय भवन के निर्माण कार्य की शुरूआत हो गई है। इसकी जानकारी काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने दी।

भारतीय दूतावास में काउंसलर गीतांजलि ब्रैंडन और खजुरा ग्रामीण नगरपालिका के अध्यक्ष दम्बर बहादुर बी.के. ने संयुक्त रूप से 'श्री जन कल्याण माध्यमिक विद्यालय' के नए भवन की आधारशिला रखी। इस परियोजना के लिए भारत सरकार अपने हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट (एचआईसीडीपी) कार्यक्रम के तहत लगभग 3.2 करोड़ नेपाली रुपए (एनपीआर 32 मिलियन) की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी।

दूतावास के अनुसार, इस परियोजना का कार्यान्वयन खजुरा ग्रामीण नगरपालिका के माध्यम से किया जाएगा। यह बांके जिले में भारत की सहायता से शुरू की गई आठवीं एचआईसीडीपी परियोजना है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों ने भारत के सहयोग का स्वागत करते हुए कहा कि नए विद्यालय भवन से छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा और शिक्षकों के लिए भी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

भारतीय दूतावास ने कहा कि यह परियोजना नेपाल के साथ भारत की सतत विकास साझेदारी का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आधारभूत संरचना को मजबूत करना और नेपाल सरकार के सामाजिक-आर्थिक विकास प्रयासों को सहयोग देना है। इस बीच, लुंबिनी प्रांत के दांग जिले स्थित राप्ती नेत्र अस्पताल में भारत सरकार की वित्तीय सहायता से निर्मित नए ऑपरेशन थिएटर भवन का गुरुवार को उद्घाटन किया गया।

भारतीय दूतावास की काउंसलर गीतांजलि ब्रैंडन और तुलसीपुर उपमहानगरपालिका के मेयर टीकाराम खड़का ने संयुक्त रूप से तुलसीपुर स्थित राप्ती नेत्र अस्पताल में दो मंजिला ऑपरेशन थिएटर भवन का उद्घाटन किया।

जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए भारत ने तंजानिया को दी 8.4 लाख डॉलर की मदद

» संयुक्त राष्ट्र, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

जलवायु परिवर्तन के खतरे से वित्तीय सुरक्षा देने के एक प्रोग्राम के लिए भारत, तंजानिया को 840,000 डॉलर की मदद दे रहा है। भारत के स्थायी मिशन ने शुक्रवार को कहा, भारत तंजानिया सरकार की इस प्रस्तावित परियोजना के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का पूर्ण समर्थन करता है, जो लोगों के जीवन और आजीविका के लिए खतरा बन रहे जलवायु संबंधी जोखिमों से निपटने में एक प्रभावी माध्यम साबित होगी। तंजानिया सरकार द्वारा अनुरोधित अनुदान भारत-यूएन विकास कोष के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। 2017 में संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से भारत ने 15 करोड़ डॉलर की राशि के साथ इस कोष को बनाया था, ताकि वैश्विक दक्षिण के देशों को विकास सहायता प्रदान की जा सके। यह अनुदान कोष की कॉमनवेल्थ विंडो के तहत दिया जाएगा, जो विशेष रूप से राष्ट्रमंडल (कॉमनवेल्थ) के सदस्य देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

फटाफट खबरें

स्पेन के सेउटा से 50,000 से ज्यादा प्रवासी मोरक्को लौटे

सेउटा, यूटर्न/ 01 अगस्त । स्पेन के इलाके सेउटा से 50,000 से ज्यादा प्रवासी मोरक्को लौट चुके हैं। स्थानीय पुलिस सूत्रों के हवाले से '20मिनुटोस' अखबार ने यह जानकारी दी। जैसा कि पहले 'आरटीवीई' ने बताया था, स्पेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि 48,300 से ज्यादा अवैध प्रवासी सेउटा से मोरक्को लौट चुके हैं। '20मिनुटोस' ने सुरक्षा बलों के हवाले से कहा कि हाल के दिनों में बड़ी संख्या में लोगों के आने के बाद, लगभग 53 हजार लोग अपनी मजी से सेउटा से मोरक्को लौट गए हैं। सेउटा अफ्रीका के उत्तरी तट पर स्थित स्पेन का एक इलाका है, जो मोरक्को की सीमा पर है। मेलिला के साथ मिलकर, यह यूरोपीय संघ और अफ्रीका के बीच एकमात्र जमीनी सीमा बनाता है और इसे ईयू में अवैध रूप से घुसने का एक मुख्य रास्ता माना जाता है। हाल के दिनों में, इस इलाके में प्रवासियों की भारी भीड़ देखी गई है।

गाजा पर इजरायली हमले रुकने के बाद ही ट्रंप की शांति योजना लागू होगी : हमास

गाजा, यूटर्न/ 01 अगस्त । फिलीस्तीनी संगठन हमास ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना के दूसरे चरण को लागू करने के लिए इजरायल को गाजा पट्टी पर हमले पूरी तरह बंद करने होंगे। हमास ने एक लिखित बयान में कहा, 'इजरायली कब्जे वाली सेना को हत्याएं और हमले रोकने होंगे। यही सहमति के अनुसार दूसरे चरण के क्रियान्वयन की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त है। समझौते के दूसरे चरण का कार्यान्वयन इस बात पर भी निर्भर करेगा कि इजरायल पहले चरण के सभी प्रावधानों का पूरी तरह पालन करे।' हमास ने कहा कि फिलीस्तीनी गुटों ने दूसरे चरण के युद्धविराम समझौते को लागू करने के लिए वार्ता और मध्यस्थों के प्रस्तावों के प्रति जिम्मेदारीपूर्ण और सकारात्मक रुख अपनाया है। इससे पहले शुक्रवार तड़के राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि बोर्ड ऑफ पीस ने गाजा पट्टी में हमास और अन्य सशस्त्र संगठनों के पूर्ण निरस्त्रीकरण संबंधी समझौते को मंजूरी दे दी है। इस समझौते के तहत निरस्त्रीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद इजरायल को गाजा से अपनी सेना वापस बुलानी होगी।

जापान में फिर हिली धरती, आओमोरी में 5.8 तीव्रता के भूकंप के झटके हुए महसूस

टोक्यो, यूटर्न/ 01 अगस्त । उत्तरी जापान में एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। देश की मौसम एजेंसी ने बताया कि शनिवार को उत्तरी जापान के आओमोरी प्रांत में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप स्थानीय समय के हिसाब से सुबह 11:48 बजे आओमोरी के पैसिफिक कोस्ट पर 80 किमी की गहराई पर आया। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप का सेंटर 41.3 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 142.0 डिग्री पूर्व देशांतर पर था। फिलहाल, सुनामी को लेकर कोई एडवाइजरी जारी नहीं की गई। यह मंगलवार को स्थानीय के हिसाब से शाम करीब 4:27 बजे कुमामोटो प्रीफेक्चर में आए एक और जोरदार भूकंप के ठीक बाद आया है। बता दें, जापान के क्यूशू के कुमामोटो प्रांत में मंगलवार को आए 7.1 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद बुधवार सुबह 11 बजे तक 170 से अधिक आफ्टरशॉक (भूकंप के झटके) दर्ज किए गए। इस आपदा में कई लोगों की मौत की पुष्टि हुई, जबकि कई घायल हुए। भूकंप से पुल ढह गए, कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

श्रीलंका ईस्टर बम धमाके मामला : अदालत ने पूर्व पुलिस प्रमुख को माना दोषी, सुनाई मौत की सजा

» कोलंबो, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

श्रीलंका के तीन न्यायाधीशों वाले हाईकोर्ट की एक विशेष पीठ ने पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) पुजित जयसुंदरा को मौत की सजा सुनाई है। साल 2019 में एक आत्मघाती धमाके में 260 लोगों की जान चली गई थी। कोर्ट ने अपनी जिम्मेदारियों का ठीक से निर्वहन न करने का दोषी माना।

बहुमत से फैसला देने वाले न्यायाधीशों ने उन्हें 2019 के ईस्टर संडे आतंकी हमलों को रोकने में विफल रहने का दोषी ठहराया, जबकि उनके पास पहले से खुफिया चेतावनी मौजूद थी।

शुक्रवार को अदालत ने जयसुंदरा को अपने कर्तव्यों की घोर उपेक्षा करने तथा हत्या में सहायता और उकसावे का दोषी करार दिया। उन पर आरोप था कि उन्होंने उन खुफिया चेतावनियों के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की, जिनमें बताया गया था कि आत्मघाती हमलावर कोलंबो और उसके आसपास स्थित कैथोलिक चर्चों तथा पर्यटक होटलों को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, न्यायाधीश प्रियंता लियानागे और तिलकरत्ने बंडारा ने बहुमत का फैसला सुनाया, जबकि न्यायाधीश विराज वीरासूर्या ने असहमति व्यक्त करते हुए अलग निर्णय दिया। बहुमत का फैसला सुनाते हुए पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायाधीश लियानागे ने कहा कि हमलों के समय जयसुंदरा देश के पुलिस प्रमुख थे और नागरिकों की सुरक्षा तथा सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी उन्हीं की थी।

अदालत ने कहा कि तत्कालीन स्टेट इंटेलिजेंस सर्विस के निदेशक निलंता जयवर्धने ने 20 अप्रैल 2019 की शाम जयसुंदरा को सूचित किया था कि अगले दिन कैथोलिक चर्चों और पर्यटक होटलों पर आत्मघाती हमलों की आशंका है।

इसके बावजूद जयसुंदरा ने हमलों को रोकने के लिए कोई आवश्यक कदम नहीं उठाया। बहुमत के फैसले में कहा गया कि अपराधों की रोकथाम और जनता की सुरक्षा के लिए नियुक्त राज्य अधिकारी होने के बावजूद जयसुंदरा ने अपने दायित्वों की गंभीर उपेक्षा की।

नाटो के फ्यूल सप्लाई चेन प्लान पर भड़का उत्तर कोरिया, बोला- युद्ध की खुली तैयारी

» सोल, यूटर्न/ 01 अगस्त ।

उत्तर कोरिया अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जी जान से लगा है। हाल ही में उसने कई लंबी दूरी के मिसाइलों का परीक्षण भी किया। इस बीच नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (नाटो) की ओर से कुछ ऐसा फैसला लिया गया है जिससे वो नाराज हो गया है। नाटो की हाल ही में स्वीकृत 'फ्यूल सप्लाई चेन कैपेबिलिटी प्रोग्राम प्लान' की कड़ी आलोचना करते हुए इसे युद्ध की ' पूरी तैयारी' और गठबंधन के 'अधिक आक्रामक सैन्य गुट' में बदलने का प्रमाण बताया।

उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए (केसीएनए) की टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब नाटो ने पिछले महीने 'फ्यूल सप्लाई चेन कैपेबिलिटी प्रोग्राम प्लान को मंजूरी दी। इस योजना का उद्देश्य यूरोप में शीत युद्ध काल के सैन्य ईंधन पाइपलाइन और भंडारण नेटवर्क का आधुनिकीकरण और विस्तार करना है।

योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, यह टिप्पणी संकेत देती है कि यूक्रेन युद्ध में रूस के समर्थन के लिए अपने सैनिक भेजने वाले उत्तर कोरिया की नजर नाटो की सैन्य गतिविधियों पर लगातार बनी हुई है। दूसरी ओर, नाटो यूक्रेन को सैन्य सहायता देना जारी रखे हुए है। केसीएनए की टिप्पणी में कहा गया, 'शुरूआत में सदस्य देशों के बीच भारी लागत को लेकर मतभेद थे, लेकिन अंततः उन्हें दूर कर लिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि नाटो युद्ध के लिए रणनीतिक ईंधन भंडार को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हुए उस पर जोर दे रहा है।' उत्तर कोरिया ने यह भी दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया नाटो की इस योजना को रूस के साथ युद्ध की तैयारी के रूप में देख रहा है। केसीएनए ने आरोप लगाया कि इस पहल का वास्तविक उद्देश्य भविष्य के संघर्षों के लिए ईंधन और अन्य सैन्य सामग्री का बड़े पैमाने पर भंडारण करना है।

केरल में भारी बारिश से तीन लोगों की मौत, मुख्यमंत्री सतीशन ने व्यापक राहत कार्य के आदेश दिए

तिरुवनंतपुरम, यूटर्न/ 01 अगस्त । केरल के मध्य और उच्च पर्वतीय जिलों में शनिवार को भारी बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ में तीन लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति लापता है और हजारों लोग विस्थापित हो गए, जिसके चलते राज्य सरकार द्वारा व्यापक बचाव अभियान और आपातकालीन हस्तक्षेप शुरू किया गया।

पीड़ितों की पहचान माशिक्कलेल की सुमति के रूप में की गई, जिनकी इडुक्की के कुदयाथूर में अदूर माला में भूस्खलन में मृत्यु हो गई। वैकोम के प्रभाकरन नायर (72), जो वागामोन के पास कोलाहलामेडु में एक घर पर भूस्खलन के बाद मारे गए थे और जोसेफिन जॉनी (24), जिनकी पूनजर थेक्केकरा में पय्यानिथोट्टम में घर गिरने से मृत्यु हो गई। जोसेफिन की मां रेजिना की तलाश के लिए तलाशी अभियान जारी था, जिनके मलबे के नीचे फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। अदूर माला में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र से दो लोगों को जीवित बचाया गया। पथानामथिट्टा में बाढ़ की स्थिति सबसे खराब थी, जहां

अधिकारियों ने कहा कि हालात 2018 की विनाशकारी बाढ़ से भयावह रूप से मिलते-जुलते थे। जिले के कुछ हिस्सों में 330 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई, जिससे पंबा नदी कुछ ही घंटों में तेजी से उफान पर आ गई और रानी और कोन्नी के विशाल इलाकों में बाढ़ आ गई। रानी-वडस्सेरिक्कारा रोड और अरयंजिलिमन्नू कॉजवे के पानी में डूब जाने के बाद रानी शहर लगभग पूरी तरह से कट गया था। दुकानें, व्यापारिक प्रतिष्ठान और घर पानी में डूब गए, जिससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ। पूरे इलाके में बिजली गुल होने के कारण, निवासियों ने अपने घरों की ऊपरी मंजिलों में शरण ली, जिसके बाद अग्निशमन और बचाव सेवा कर्मियों द्वारा उन्हें नावों में बिठाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। कोल्लम से अतिरिक्त बचाव नौकाएं भेजी गईं, क्योंकि जलमग्न पंचायतों में लोगों को निकालने का काम जारी था। इडुक्की जिले के कुछ क्षेत्रों और कई आंतरिक मार्गों से मामूली भूस्खलन की सूचना मिली है, जिससे उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में संपर्क बुरी तरह बाधित हो गया है। विस्थापित परिवारों को ठहराने के लिए कई स्थानों पर राहत शिविर खोले गए। बारिश से उत्पन्न आपात स्थिति के बिगड़ने के साथ मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने राजस्व मंत्री ए.पी. अनिल कुमार, मुख्य सचिव और प्रभावित क्षेत्रों के जिला कलेक्टरों के साथ टेलीफोन पर चर्चा करते हुए व्यक्तिगत रूप से स्थिति की समीक्षा की।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *